हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 03.08.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 13 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

नशा जीवन और परिवार दोनों को तबाह करता है, युवा रहें दूर : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है लेकिन आपके करियर और फैमिली लाइफ को लो कर देता है। ऐसे में हमें संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशा और ड्रग्स के खतरों को समझकर जागरुक रहते हुए इससे दूर रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। इस दौरान राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे से परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति कमजोर पड़ जाती है। दुश्मन देश भी षड्यंत्र करके देश के युवाओं को नशे की लत में खींचने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे में ड्रग सप्लाई कर कमाई कर देश को तबाह करना भी आतंकी साजिश का हिस्सा होता है। इसलिए हमें हर एक युवा को नशे के चुंगल में फंसने से बचाना है।

सामूहिकता की ताकत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्तिगत प्रयास करते समय निराशा और थकान हो सकती है लेकिन जब कोई अभियान सामूहिक स्वरूप ले लेता है और करोड़ों लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो सामूहिकता की ताकत उसे नई ऊर्जा देती है। प्रधानमंत्री ने बताया कि देशभर के लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है। उन्होंने बताया कि यह संकल्प अगले 100 सप्ताह तक लगातार आगे बढ़ेगा। इस दौरान प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, अध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम साबित होंगे।

प्रधानमंत्री ने परिवारों से अपील की कि यदि घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो जाए तो सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण इसे छिपाया न जाए। बच्चों के साथ संवाद की संस्कृति विकसित करना जरूरी है, ताकि समय रहते उनके व्यवहार में आने वाले बदलावों को पहचाना जा सके। प्रधानमंत्री ने प्रोफेसरों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें बल्कि विद्यार्थियों के साथ ड्रग्स के दुष्प्रभावों पर भी नियमित चर्चा करें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान युवाओं को नशे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने नशा मुक्ति में योग, ध्यान और पुनर्वास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह विधाएं व्यक्ति के अंतर्मन को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, यदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ गया है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके सभी रास्ते बंद हो गए हैं। उचित सहयोग और उपचार से वह सामान्य जीवन में लौट सकता है।

ड्रग्स तस्करों पर सरकार का सख्त शिकंजा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान में सरकार पूरी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पहले की तुलना में कई गुना अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं और हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई हैं। यह सरकार की कठोर नीति को दर्शाता है।

पहली सोमवारी पर आज बाबा नगरी में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : सावन माह की पहली सोमवारी को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ने को तैयार है। रविवार से ही लाखों की संख्या में कांवरिया श्रद्धालु सुल्तानगंज से जल लेकर देवघर की ओर बढ़ते दिखाई दिए। सोमवार को जलार्पण करने की इच्छा के साथ श्रद्धालु तेज गति से कांवरिया पथ पर आगे बढ़ते रहे। रविवार को हुई हल्की बारिश ने लंबी यात्रा से थके कांवरियों को राहत पहुंचाई और उनमें नई ऊर्जा का संचार किया। पिछले कुछ दिनों की तुलना में कांवरियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। जगह-जगह "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयघोष से पूरा बाबा नगरी भक्तिमय माहौल में डूब गया।

पहली सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन ने भी व्यापक तैयारियां कर ली हैं। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के नेतृत्व में रविवार सुबह कांवरिया पथ, रूट लाइन, अमानत घर, मंदिर के प्रवेश और निकास द्वार सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शनिवार को आयोजित ब्रीफिंग बैठक में अनुमान जताया गया था कि पहली सोमवारी पर दो लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण करेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। रविवार शाम तक हजारों कांवरिया देवघर की सीमा में प्रवेश कर मंदिर की ओर बढ़ने लगे थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया कि पहली सोमवारी पर बाबा नगरी में आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ेगा। जिला प्रशासन और पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम जलार्पण कराने में जुटे हुए हैं।

एक नजर

बारामूला में आतंकी सहयोगी गिरफ्तार

बारामूला : जम्मू-कश्मीर के बारामूला में रविवार को सुरक्षाबलों ने ओवर ग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू अर्थात आतंकी सहयोगी) को दबोच लिया। उसके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। अधिकारियों ने बताया कि नरवाव के जंडफरान-गोरीवान क्रॉसिंग पर 46 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस एसओजी, 53 बटालियन सीआरपीएफ और 112 बटालियन बीएसएफ के जवानों ने संयुक्त नाका लगाया था। इस दौरान गोरीवान की तरफ से आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति ने नाका देखकर भागने की कोशिश की। सतर्क जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर सुरक्षाबलों को उसके पास से एक कैमोफ्लाज्ड एमपी-5 टाइप पिस्तौल, 10 ज़िंदा 9एमएम कारतूस वाली एक मैगजीन, एक मोबाइल फोन और एक काला बैकपैक मिला। गिरफ़्तार व्यक्ति की पहचान नंबलन शीरी के रहने वाले एजाज अहमद गनी पुत्र मोहम्मद सुल्तान गनी के तौर पर हुई है। पुलिस स्टेशन शीरी में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 37/2026 दर्ज की गई है। उसके संपर्कों और गतिविधियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के ठिकानों पर आयकर सर्वे में मिली 350 करोड़ की अघोषित आय

रांची : रामकृपाल कंस्ट्रक्शन व उससे जुड़ी कंपनियों के ठिकानों पर सर्वे के दौरान 350 करोड़ रुपये की अघोषित आयकर का पता चला है। साथ ही अस्तित्वहीन कंपनियों से सामान खरीद के सबूत भी मिले। इसके अलावा अन्य प्रकार की वित्तीय गड़बड़ियां पायी गयी। रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के ठिकानों पर आयकर का सर्वे चौथे दिन समाप्त हो गया। उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने रामकृपाल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड व उससे जुड़ी कंपनियों के रांची, बेगुसराय और गुड़गांव के ठिकानों पर 31 जुलाई को सर्वे शुरू किया था। कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज की जांच पड़ताल और संबंधित लोगों का बयान दर्ज करने के बाद दो अगस्त को दोपहर सर्वे समाप्त हो गया। सर्वे में आयकर के 150 अधिकारी लगाए गये थे। सर्वे के दौरान 350 करोड़ रुपये की अघोषित आयकर पता चला।

पलामू में दो आदिवासी बच्चियों का अपहरण

पलामू : पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के सकलदीपा उरांव टोला में दो आदिवासी बच्चियों के अपहरण के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में रविवार को पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता सकलदीपा पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। विधायक ने बताया कि माड़न निवासी ओसीम अंसारी ने 17 वर्षीय और 07 वर्षीय दो आदिवासी बच्चियों का अपहरण कर लिया है। अपहरण में सहयोगी जमशेद अंसारी को पांकी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि मुख्य आरोपित ओसीम अंसारी अब भी फरार है। विधायक ने आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी सकलदीपा के आदिवासी समुदाय के लोगों को तीन टुकड़ा कर देने की धमकी दे रहे हैं। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी करे राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर भाजपा और ट्रस्ट को लेकर दावा किया कि मंदिर निर्माण के दौरान सैकड़ों करोड़ रुपये की चोरी हुई, सोने-चांदी पिघलाकर बेचे गए और पैसा शेयर बाजार में लगाया गया। उन्होंने इसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर डकैती बताते हुए उच्चतम न्यायालय की देखरेख में एसआईटी से जांच कराने की मांग की। प्रमोद तिवारी ने रविवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मंदिर में सिर्फ चढ़ावे की चोरी नहीं हुई, बल्कि शिला पूजन के समय से ही गड़बड़ियां शुरू हो गई थीं। भाजपा ने मंदिर निर्माण को हमेशा चुनावी मुद्दा बनाए रखा और वास्तविक निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही संभव हुआ। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा अधूरे मंदिर में कराई गई और शंकराचार्यों को आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि पूजा उन्हीं से कराई जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अयोध्या दौरे की तैयारियों पर 112 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

इंडोनेशिया में बड़ा समुद्री हादसा : यात्रियों से भरी नाव में लगी भीषण आग, पांच लोगों की मौत, 41 लापता

एजेंसी

नयी दिल्ली : इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास रविवार को एक यात्री फेरी (नौका) में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के अनुसार, इस दुर्घटना में अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 41 लोग लापता हैं। राहत और बचाव दल युद्धस्तर पर तलाश अभियान चला रहे हैं।

खोज एवं बचाव एजेंसी के मुताबिक, फेरी में कुल 271 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें से 225 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान लगातार जारी है। यह फेरी पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया शहर से दक्षिण सुलावेसी के मकासर शहर के लिए रवाना हुई थी। हादसा यात्रा के दौरान मदुरा द्वीप के निकट समुद्री क्षेत्र में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की घटना रविवार सुबह हुई, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि फेरी में आग किस वजह से लगी। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने बताया कि समुद्र में लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

तमिलनाडु में खड़े ट्रक से टकराई कार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

कोयंबटूर : तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में पोल्लाची के निकट सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से कार की जोरदार टक्कर होने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार किसी भी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। पुलिस के अनुसार, कोयंबटूर जिले के मदुक्करई एमएलए स्ट्रीट निवासी कनकराज एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। उनके परिवार में पत्नी उमा महेश्वरी, बड़ी बेटी आरती और छोटी बेटी नर्मदा थीं। रविवार को कनकराज अपने परिवार तथा दूर के रिश्तेदार रामन के साथ कार से उदुमलपेट स्थित अपने कुलदेवता मंदिर में दर्शन कर वापस घर लौट रहे थे। कार कनकराज स्वयं चला रहे थे। दोपहर के समय जब उनकी कार पोल्लाची के पास नल्लाम्पल्ली इलाके से गुजर रही थी, तभी वह अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कनकराज, उनकी पत्नी उमा महेश्वरी, दोनों बेटियां आरती और नर्मदा तथा रिश्तेदार रामन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सांसद पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा कहा- चाकू से हमले की कोशिश की गई

एजेंसी

नयी दिल्ली : बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामे की खबर सामने आ रही है। सांसद पप्पू यादव के साथ कथित तौर पर धक्कामुक्की और मारपीट की गई। इसके बाद पप्पू यादव के समर्थकों ने भी कथित तौर पर उस व्यक्ति की पिटाई की, जिसने दिल्ली स्थित उनके आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हमला करने की कोशिश की थी।

सांसद पप्पू यादव ने कहा, मेरे घर में किसी ने घुसकर हमला किया। क्या अब लोग हमसे मिलने भी नहीं आ सकते? चाकू लेकर मारने आया। पप्पू यादव ने दावा किया कि उनकी हत्या की साजिश रची गई थी, लेकिन वह बच गए।

होटल के नैपकिन पर भारत के मानचित्र से गायब था पूर्वोत्तर, लवलीना बरगोहाई ने जताई आपत्ति

गुवाहाटी : राष्ट्रमंडल खेल 2026 में रजत पदक जीतने वाली असम की स्टार मुक्केबाज लवलीना बरगोहाईं ने ग्लासगो के एक होटल में भारत के मानचित्र को गलत तरीके से प्रदर्शित किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारतीय दल के सम्मान में मिस्टर सिंह्स इंडिया – द होम ऑफ करी नामक रेस्तरां में विजय उत्सव के अवसर पर रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। इस दौरान होटल में इस्तेमाल किए जा रहे नैपकिन पर छपे भारत के मानचित्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र को नहीं दशार्या गया था। लवलीना ने तत्काल इस गंभीर त्रुटि की ओर होटल प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया और स्पष्ट किया कि भारत के मानचित्र का इस प्रकार गलत चित्रण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने होटल प्रबंधन से भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं करने का भी आग्रह किया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी चर्चा तेज हो गई है और कई लोगों ने लवलीना की सतर्कता तथा देश की भौगोलिक अखंडता के प्रति उनकी सजगता की सराहना की।

ट्रंप का एलान : खत्म होगा ईरान युद्ध, समझौते की रूपरेखा तैयार, फिलहाल अमेरिकी हमले बंद

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह पांच महीने से जारी इस संघर्ष में ईरान पर नए सैन्य हमले का आदेश नहीं देंगे। ट्रंप ने शनिवार को कहा कि इस समझौते में "होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूरी तरह खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे का अंत शामिल होगा।" उन्होंने कहा, "इस अनुरोध के आधार पर मैंने दुनिया के भविष्य के हित में और साथ ही एक सफल एवं समृद्ध ईरान के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए, फिलहाल हमलों को रोकने पर सहमति दी है, बशर्ते कि शीघ्र ही कोई समझौता हो सके।"

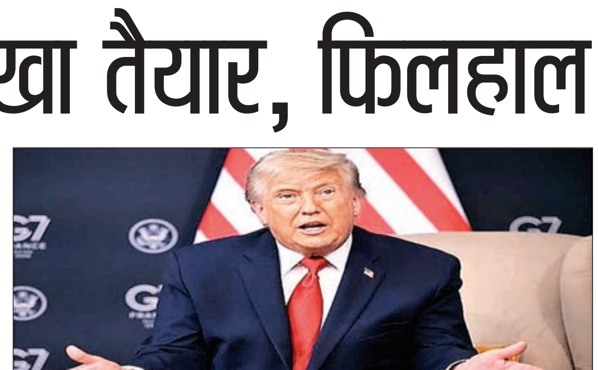

ट्रंप ने यह भी कहा कि इजराइल ने ईरान के साथ ऐसा समझौता पूरा कराने के अमेरिकी प्रयासों में शामिल होने पर सहमति जताई है, जिससे युद्ध समाप्त हो सके। इससे पहले शनिवार को सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान अमेरिका द्वारा ईरान पर नए हमले करने की आशंका पर चिंता व्यक्त की। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत से परिचित एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी। समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' ने सबसे पहले इस बातचीत की जानकारी दी। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब ट्रंप ईरान पर नए सैन्य हमले करने पर विचार कर रहे थे। बातचीत से अवगत व्यक्ति ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि सऊदी अरब को आशंका है कि यदि अमेरिका, ईरान के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाता है या अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमले करता है, तो तेहरान जवाबी कार्रवाई में सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है।

सूत्र के अनुसार, सलमान ने बातचीत के दौरान ट्रंप से यह स्पष्ट करने को कहा कि वह ईरान के खिलाफ किस प्रकार की नयी कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने नाम न उजागर करने की शर्त पर पुष्टि की कि दोनों नेताओं के बीच शनिवार को बातचीत हुई, लेकिन बातचीत की विषय-वस्तु के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इस सप्ताह की शुरूआत में सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कई रसद और हथियार ठिकानों पर हमले में अमेरिका का साथ दिया था। हालांकि, वह लगातार अमेरिका और ईरान से पांच महीने पुराने इस संघर्ष का समाधान निकालने के लिए फिर से बातचीत शुरू करने का आग्रह करता रहा है।

पीएम मोदी, शाह व योगी के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो वायरल, नगड़ी थाने में एफआईआर दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के मामले में नगड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, नगड़ी निवासी अलीम अंसारी पर आरोप है कि उसने एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधायक नवीन जायसवाल के खिलाफ आपत्तिजनक एवं अभद्र टिप्पणी की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि वीडियो में जान से मारने जैसी धमकी भी दी गई है।

लिखित शिकायत मिलने के बाद नगड़ी थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस वायरल वीडियो की सत्यता, उसके स्त्रोत और अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत चलकुशा थाना परिसर में हुआ वृक्षारोपण

चलकुशा : पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से चलकुशा थाना परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार पांडेय ने फलदार पौधे लगाकर अभियान का संदेश दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान संजय कुमार पासवान, कैलाश कुमार सहित थाना के अन्य कर्मी भी मौजूद रहे।

तकनीकी सहायता से गुमशुदा मोबाइल बरामद, सौंपे गए स्वामियों को फोन

पदमा : वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर पदमा थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सुरक्षित सुपुर्द कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित मोबाइल स्वामियों के फोन हाल ही में गुम हो गए थे, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। वरिष्ठ पदाधिकारियों से प्राप्त दिशा-निर्देशों के बाद पदमा थाना पुलिस ने तकनीकी सहायता और स्थानीय सूचना तंत्र के माध्यम से इन मोबाइलों को ट्रेस कर सकुशल बरामद किया गया और पदमा थाना परिसर में जब रौशन करमाली निवासी: दुलमी, रजरप्पा, जिला - रामगढ़ और मनीष कुमार राणा ग्राम -बंदर बेला, पदमा, जिला - हजारीबाग को उनके फोन सौंपे गए, तो उनके चेहरे खिल उठे। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर दोनों स्वामियों ने पदमा थाना प्रभारी श्रवण कुमार और पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई तथा निष्ठा के लिए उनका सहहृदय आभार व्यक्त किया। पदमा थाना प्रभारी श्रवण कुमार ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार का सामान या मोबाइल गुम होने पर तुरंत नजदीकी थाने में सनहा दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

मायापुर में सड़क हादसा, निजी कंपनी कर्मी की गई जान

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र के पाण्डेयबारा स्थित मायापुर के समीप रविवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के पथरिया गांव निवासी रंजीत विश्वकर्मा (38 वर्ष), पिता महावीर विश्वकर्मा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंजीत विश्वकर्मा बरही की एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। रविवार को किसी कार्य से लौटने के दौरान मायापुर के पास उनकी मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल घायल युवक को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विभावि के विवेकानंद सभागार में प्रधानमंत्री के वेबकास्ट का लाइव प्रसारण से लाभान्वित हुए विद्यार्थी

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं को नशा से मुक्त रहना होगा : प्रधानमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में रविवार को प्रधानमंत्री का वेबकास्ट कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का विषय था "नशा मुक्त युवा और विकसित भारत" का संकल्प। प्रधानमंत्री के स्क्रीन पर आते ही विद्यार्थियों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने कहा कि देश के युवा एक महान और महत्वपूर्ण संकल्प लेकर इस नशा मुक्ति अभियान से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के युवाओं को मन और तन से स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्हें मादक पदार्थों की नशा से दूर रहना है।

युवाओं को अमृत पीढ़ी बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवा अपनी ऊर्जा और कल्पना शक्ति से 2047 तक भारत को विकास के शिखर तक ले जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि नशा से एक सपने की बाल मृत्यु हो जाती है। यह एक मां की मुस्कान छीन लेता और पिता के सपनों को चूर-चूर कर देता है। इससे राष्ट्र शक्ति कमजोर पड़ जाती है।

उन्होंने स्मरण दिलाया कि समाज हमेशा से ही नशे को बुराई की नजरों से देखा है। इस संबंध में उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब से कुछ पंक्तियों का पाठ भी किया। उन्होंने भरोसा दिलाया की नशा मुक्ति अभियान में केंद्र सरकार और राज्य की सरकार "मिशन मोड" में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री से पूर्व भारत सरकार में युवा मामले के मंत्री मनसुख मांडवीया का संबोधन हुआ। इससे पूर्व विभावि के छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष डॉ विकास कुमार, कुलसचिव सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, नशा मुक्ति नोडल विभाग के अधिकारी डॉ सुकल्याण मोइत्रा तथा योग केंद्र के निदेशक डॉ राजकुमार चौबे ने सभा को संबोधित किया। माय भारत केंद्र के अधिकारी रूद्र शेखर ने उपस्थित सभी शिक्षकों को शॉल ओढ़ा के सम्मानित किया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई जिसका विद्यार्थियों ने खूब आनंद उठाया। संत कोलंबा महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ देवेंद्र एवं जी एम इवनिंग कॉलेज के डॉ उमेश ठाकुर ने नशा-निषेध पर शपथ पाठ कराया। मौके पर यूसेट के निदेशक डॉ आशीष कुमार साहा, विश्वविद्यालय के रूसा/पीएम-उषा के समन्वयक डॉ अरुण कुमार मिश्रा, दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ विजय कुजूर, मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ अविनाश कुमार, अन्नदा महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ सुचोरिता घोष, प्रबंधन विभाग के डॉ सीताराम के अलावे स्थानीय महाविद्यालय के एनएसएस के स्वयंसेवक, एनएसएस के सोनू कुमार तथा यूसेट, विधि महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित हुए।

बादम के राउतपारा में तीन अवैध कोयला खदानों पर चला बुलडोजर, कार्रवाई जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देशन में बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के बादम स्थित राउतपारा में तीन अवैध कोयला खदानों का जेसीबी मशीन से डोजरिंग किया गया। डोजरिंग अभियान में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के अलावा एसआइ राकेश खवास, अभिषेक कुमार सहित पुलिस बल के जवान एवं कई वन कर्मी शामिल थे। इस संबंध में थाना प्रभारी श्री सिंह ने कहा कि अवैध कोयला खदान संचालन मालिकों का नाम पता की खोजबीन की जा रही है मामले में संलिप्तता पाए जाने वाले के विरुद्ध बड़कागांव थाना में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार क्षेत्र में जहां-जहां अवैध कोयला खदान है, अभियान चलाकर डोजरिंग करने की सिलसिला आगे भी जारी रहेगी।

उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय बादम में विद्या प्रबंधन समिति का गठन, अजमल हुसैन बने अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बादम स्थित उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय में विद्या प्रबंधन समिति का गठन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुखिया सह वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि दीपक दास एवं संचालन सीआरपी तनवीर अख्तर ने किया। प्रवेक्षक धनेश्वर करमाली एवं विद्यालय प्रधानाध्यापक अजहर आलम के देख रेख में प्रबंधन समिति के गठन की प्रक्रिया पूरी हुई। सर्वसम्मति से समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष अजमल हुसैन, उपाध्यक्ष शगुफ्ता नाज, संयोजिका साबिया प्रवीण, उप संयोजिका इशरत जहां को बनाया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने विद्यालय के विकास एवं शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग का भरोसा जताया। पर्यवेक्षक धनेश्वर करमाली और सीआरपी तनवीर अख्तर ने मौके पर सभी नवचयनित समिति सदस्यों व पदधारियों को उनके अधिकार व कर्तव्य के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मौके पर मुख्य रूप से मुजाहिद इस्लाम, रियाज अहमद, नेहाल सगीर, सोनू खान, मो हुसैन, शाहबाज आलम, रफसन जानी, शमीम अंसारी, मो शुक्रउल्लाह, हाजी सामो, जम्मी खान, टुन्नु खान, राजिक अहमद सहित सैकड़ों अभिभावक उपस्थित थे।

आईएफडब्लूजे से जुड़े पत्रकारों की बैठक संगठन मजबूती व आपसी सहयोग पर चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में आईएफडब्लूजे से जुड़े पत्रकारों की बैठक हुई। अध्यक्षता अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित एवं संचालन महासचिव प्रभाकर पाठक ने किया। मुख्य संरक्षक कृष्णा प्रजापति एवं संरक्षक बिपिन बिहारी पांडेय मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय एवं संगठन की मजबूती पर चर्चा की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों को मिलने वाले विज्ञापन एवं शुभकामना संदेश पर चर्चा किया गया। सभी ने निर्णय लिया कि सभी पत्रकार एक दूसरे को हर विपरीत परिस्थिति में एक साथ रहेंगे एवं एक दूसरे को मदद करेंगे। बैठक में मुख्य संरक्षक कृष्णा प्रजापति ने कहा कि एक पत्रकार छह माह तक निःस्वार्थ भाव से अपनी पत्रकारीता धर्म का पालन करते हुए सामाजिक दायित्व का निर्वहन करता है। ऐसे में विज्ञापन देकर सोसायटी को एक पत्रकार का मनोबल बढ़ाना चाहिए। मौके पर संरक्षक कृष्णा प्रजापति, जिला अध्यक्ष बिपिन बिहारी पाण्डेय, अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, अनुमंडल महासचिव प्रभाकर पाठक, रितेश गुप्ता, सोनू पंडित, योगेन्द्र प्रजापति, विकास यादव, पंचम कुमार पाण्डेय, सोमनाथ कुमार, सुजीत प्रधान, राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

बारिश नहीं होने से बड़कागांव में धान की रोपाई प्रभावित, किसान चिंतित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण धान की रोपाई का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। खेतों में पानी की कमी होने से किसान चाहकर भी धान की रोपाई शुरू नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे पर चिंता साफ दिखाई दे रही है। किसानों का कहना है कि समय पर बारिश नहीं होने से खेती का पूरा चक्र प्रभावित हो रहा है। कई किसानों ने रोपाई की तैयारी पूरी कर ली है, लेकिन खेतों में पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण काम रुका हुआ है। यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो धान की फसल पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है, जिससे उत्पादन में कमी आने की आशंका है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान रोजाना आसमान की ओर टकटकी लगाए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि धान की अच्छी पैदावार के लिए समय पर पर्याप्त वर्षा आवश्यक है। लगातार सूखे जैसे हालात बने रहने पर किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने सरकार और कृषि विभाग से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा स्थिति पर नजर रखने की मांग की है। वहीं सभी की निगाहें अब मानसून की बारिश पर टिकी हैं, ताकि खेतों में फिर से रौनक लौट सके और धान की रोपाई का कार्य शुरू हो सके।

बस की चपेट में आने से युवक की मौत आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के गावां-बासोडीह मुख्य मार्ग स्थित आमतरो पुल के समीप रविवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गावां थाना क्षेत्र के खजिया गांव निवासी पीयूष कुमार के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम कर दिया और मृतक के परिजनों को मुआवजा तथा फरार बस चालक की गिरफ्तारी की मांग की। पीयूष कुमार पिछले लगभग दस दिनों से अपनी बुआ के घर बिरने गांव में रह रहे थे। रविवार को वह डीजल लाने के लिए बाइक से निकले थे। इसी दौरान आमतरो पुल के समीप तेज रफ्तार गंगा बस की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही गावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बस को जब्त कर लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं फरार चालक की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

मृतक के भाई बबलू यादव ने आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी, क्योंकि एंबुलेंस खराब थी। मजबूरी में परिजन घायल पीयूष को बाइक से अस्पताल लेकर गए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय अस्पताल में भी समय पर समुचित इलाज और ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं मिल सकी, जिसके कारण रास्ते में ही पीयूष की मौत हो गई। घटना से नाराज ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा, दोषी बस चालक की शीघ्र गिरफ्तारी तथा स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग की। सड़क जाम के कारण कुछ समय तक यातायात बाधित रहा।

घटना की सूचना मिलने पर जिला परिषद सदस्य पवन चौधरी और ग्रामीण अरविंद यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने क्षेत्र में नाबालिग चालकों द्वारा भारी वाहनों के संचालन पर चिंता जताते हुए प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उनका कहना था कि लापरवाही के कारण लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है।

बाद में पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों से बातचीत की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और फरार बस चालक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अवैध बालू तस्करी पर चौपारण पुलिस का प्रहार, भगहर रोड से ट्रैक्टर जब्त

चौपारण : अवैध बालू तस्करी के खिलाफ चौपारण पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में शनिवार देर रात पुलिस ने भगहर रोड पर छापेमारी कर अवैध बालू से लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया। जब्त वाहन को चौपारण थाना लाया गया है, जहां अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भगहर रोड के रास्ते अवैध बालू का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की और बालू से लदा ट्रैक्टर पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस ट्रैक्टर मालिक तथा अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर मामले की जांच में जुटी है। इधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि चौपारण-चतरा मार्ग पर प्रतिदिन दो दर्जन से अधिक ट्रैक्टरों के माध्यम से अवैध बालू का परिवहन किया जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि तस्कर पकड़े जाने से बचने के लिए ट्रैक्टरों के आगे-पीछे एस्कॉर्ट वाहन चलाते हैं, जबकि चतरा मोड़ के आसपास उनके लोग पूरी रात और सुबह तक पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखते हैं और सूचना तत्काल तस्करों तक पहुंचा देते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे नेटवर्क के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि नियमित छापेमारी, कड़ी निगरानी और तस्करी में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई से ही इस अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद बालू तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

वलीमा समारोह में जुटे क्षेत्र के गणमान्य पूर्व विधायक ने नवदंपति को दिया आशीर्वाद

चौपारण : बरही में शनिवार देर रात शरीफुल हक के भगना मोहम्मद अमीर रजा के वलीमा समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नवविवाहित दंपति को शुभाशीष देते हुए उनके सुखमय, समृद्ध और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना की। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों एवं उपस्थित लोगों से भी आत्मीय मुलाकात की। वलीमा समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने नवदंपति को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, टुन्नू बर्णवाल, मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद यूसुफ, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद आलीशान रजा, संजर इमाम, राजन, शादाब रजा, चंदू सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम पूरे समय सौहार्दपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ की बैठक में प्रखंड कमेटी का हुआ विस्तार

हजारीबाग/इचाक : इचाक प्रखंड अंतर्गत मंगुरा गांव स्थित देवी मंडप परिसर में कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। बैठक में संगठन के विस्तार एवं समाज को संगठित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। परिचर्चा के उपरांत सर्वसम्मति से इचाक प्रखंड कमेटी का विस्तार किया गया। इसमें गोपाल पांडेय को प्रखंड अध्यक्ष तथा गणेश पांडेय को सचिव बनाया गया। वहीं योगेंद्र मिश्रा, सत्येंद्र पांडेय एवं कृष्णा पांडेय को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यसमिति सदस्य के रूप में अनिल पांडेय, परमानंद पांडेय, कैलाश पांडेय, मनीष मिश्रा, भोला पांडेय, पुरुषोत्तम पांडेय, पंकज पांडेय एवं कृष्णा पांडेय का चयन किया गया। बैठक को प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी पांडेय के अलावा प्रदेश प्रवक्ता नंदकिशोर पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय पांडेय, अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील पांडेय एवं प्रदेश प्रभारी देवशरण पांडेय ने संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने, समाज में एकजुटता कायम रखने तथा सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री सत्येंद्र शास्त्री ने किया। बैठक में संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

एससी/एसटी कोर्ट से केस संख्या 165/22 में मो. नसीम के खिलाफ इस्तिहार जारी, हाजिर होने का आदेश

हजारीबाग : वशेष न्यायाधीश, एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, हजारीबाग की अदालत ने केस संख्या 165/22 में आरोपी मो. नसीम के खिलाफ इस्तिहार जारी किया है। अदालत ने मो. नसीम, पिता स्व. जसमुदिन अंसारी, निवासी ग्राम अलगडीहा, थाना कटकमसांडी, पेलावल ओपी, जिला हजारीबाग को निर्धारित तिथि पर न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। न्यायालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया के तहत की गई है ताकि मामले की सुनवाई आगे बढ़ाई जा सके। आरोपी की उपस्थिति अनिवार्य है। आदेश की तामील संबंधित थाना एवं पुलिस प्रशासन के माध्यम से कराई जा रही है, जिससे आरोपी को विधिवत सूचना मिल सके। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यदि आरोपी बिना किसी वैध कारण के निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनके विरुद्ध कानून के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

धुर्वा डैम में तैरता मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

रांची : राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित हटिया (धुर्वा) डैम से रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह स्थानीय लोगों की नजर डैम में जलकुंभी के बीच तैर रहे शव पर पड़ी। इसके बाद तत्काल इसकी सूचना धुर्वा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला। शव बरामद होने की खबर फैलते ही डैम के आसपास बड़ी संख्या में लोग जुट गए और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध सुरागों के आधार पर मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर झारखंड में कल से निकलेगी कलश वंदन यात्रा

रांची : संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत झारखंड में 4 अगस्त से कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ होगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। बाउरी ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य संत रविदास के समता, सेवा, भक्ति, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि 4 अगस्त को रांची के डिबडीह स्थित कार्निवल बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम के बाद विधिवत पूजा-अर्चना के साथ 30 सुसज्जित रथों को झारखंड के सभी 30 सांगठनिक जिलों के लिए रवाना किया जाएगा। जिलों में पहुंचने के बाद यह कलश वंदन यात्रा मंडलों, पंचायतों और गांवों के मंदिरों तक पहुंचेगी तथा समरसता और सामाजिक सद्भाव का संदेश देगी। अमर बाउरी ने बताया कि इस भव्य अभियान की शुरूआत 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी (काशी) की पवित्र मिट्टी युक्त कलश के साथ की गई थी। यह कलश वंदन यात्रा झारखंड सहित विभिन्न राज्यों का भ्रमण कर रही है।

शिक्षकों के अपमान पर आंदोलन की चेतावनी, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

रांची : रांची विश्वविद्यालय शिक्षक संघ और मारवाड़ी महाविद्यालय शिक्षक संघ की संयुक्त बैठक रविवार को संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की गई। विशेष रूप से एक आदिवासी महिला शिक्षिका को धमकी दिए जाने की घटना को बेहद निंदनीय बताया गया। रांची विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार ने कहा कि असामाजिक तत्व छात्रों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले गुरु को सर्वोच्च सम्मान दिया जाता था, लेकिन आज कुछ लोग छात्रों को भटका रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि शिक्षक संघ शिक्षकों के साथ मजबूती से खड़ा है।

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन में पहुंचे कुमार राजा, कहा- हर मांग मुख्यमंत्री तक पहुंचेगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और धांधली के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के बीच रविवार को कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कुमार राजा अपनी टीम के साथ आंदोलन स्थल पहुंचे। उनके साथ शहबाज, नंदिता, शिल्पी, प्रिंस और गौरव भी मौजूद थे। उन्होंने छात्रों से लंबी बातचीत की और भरोसा दिलाया कि उनकी हर मांग मुख्यमंत्री और सरकार तक पहुंचाई जाएगी।

कुमार राजा ने कहा कि गठबंधन सरकार, मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही कई बड़े कदम उठा चुकी है और आगे भी जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने छात्रों को बताया कि जेपीएससी के अध्यक्ष इस्तीफा दे चुके हैं और पूरे मामले की जांच सीआईडी कर रही है। 14वीं जेपीएससी मुख्य परीक्षा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। अगर जांच में जरूरत पड़ी तो पीटी परीक्षा भी रद्द की जा सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि जेपीएससी की डिप्टी एग्जामिनेशन कंट्रोलर श्वेता गुप्ता, टीडीपीएल के मैनेजर अभय तिवारी, मनोज तिवारी और उनके आठ सहयोगियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही जेपीएससी में पिछले 10 साल से पद पर बने अधिकारियों को हटाया गया है। जेएसएससी की पारा शिक्षक स्थायी रिक्ति परीक्षा भी गड़बड़ी की आशंका के कारण रोक दी गई है।

छात्रों ने जेपीएससी और जेएसएससी के सभी पुराने अधिकारियों को हटाकर नए और ईमानदार आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति की मांग भी रखी। उनका कहना था कि आयोग में किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले या 60 साल से अधिक उम्र के रिटायर्ड व्यक्ति की नियुक्ति नहीं होनी चाहिए।

छात्रों ने परीक्षाओं में निजी एजेंसियों की भूमिका खत्म करने की भी मांग की। उनका कहना था कि प्रश्न पत्र छापने और उत्तर पुस्तिकाओं की जांच का काम केवल सरकारी व्यवस्था से कराया जाए ताकि पेपर लीक जैसी घटनाएं रोकी जा सकें। इसके अलावा छात्रों ने सभी भर्ती परीक्षाओं का तय कैलेंडर जारी करने, उम्र सीमा की गणना 1 अगस्त 2018 से करने और सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम उम्र 42 साल करने की मांग रखी।

ओएमआर शीट में पांचवां विकल्प यानी "नॉट अटेम्प्टेड" जोड़ने, जेपीएससी मुख्य परीक्षा की कॉपियों की मैनुअल जांच कराने और मूल्यांकन के बाद कॉपियां डिजिटल आईडी पर उपलब्ध कराने की भी मांग की गई।

जेएसएससी परीक्षाओं में नॉर्मलाइजेशन प्रणाली खत्म करने, एक ही शिफ्ट में ओएमआर आधारित परीक्षा कराने, आयोग की ओर से विज्ञापन जारी होने के बाद प्रेस वार्ता करने, नियुक्ति पत्र एक साथ देने और शारीरिक परीक्षा में 1600 मीटर दौड़ का समय 6 मिनट से बढ़ाकर 7 मिनट करने की मांग भी छात्रों ने रखी। साथ ही उन्होंने पेपर लीक और परीक्षा धांधली के दोषियों को तीन महीने के भीतर सख्त सजा देने की मांग की।

आंदोलन में शामिल छात्रों ने बताया कि राज्य के 24 जिलों से आए अभ्यर्थी खुले आसमान के नीचे धूप और बारिश में धरना दे रहे हैं। उन्होंने टेंट, पीने का पानी, शौचालय और सुरक्षा के लिए पुलिस की व्यवस्था करने की मांग की। इस पर कुमार राजा ने तुरंत पानी की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया और अन्य सुविधाओं के लिए भी मदद का भरोसा दिलाया। कुमार राजा ने कहा कि परीक्षाओं में गड़बड़ी की सबसे बड़ी वजह आउटसोर्सिंग व्यवस्था है।

लापता बच्चों पर झारखंड सीआईडी अलर्ट सभी जिलों के एसपी-एसएसपी से मांगी रिपोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लापता बच्चों की बढ़ती घटनाओं और मानव तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने को लेकर झारखंड सीआईडी ने राज्य के सभी जिलों के एसपी और एसएसपी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। यह रिपोर्ट सोमवार को पटना में आयोजित होने वाली उच्च स्तरीय सम्मेलन-सह-परामर्श बैठक के मद्देनजर तलब की गई है। बैठक में पुलिस विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के नोडल अधिकारी शामिल होंगे, जहां लापता बच्चों की बरामदगी और मानव तस्करी की रोकथाम को लेकर व्यापक रणनीति पर चर्चा होगी। सीआईडी ने जिलों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिले में लापता बच्चों और मानव तस्करी से जुड़े मामलों की वर्तमान स्थिति, जांच के दौरान सामने आने वाली चुनौतियां, उनके समाधान, महत्वपूर्ण केस स्टडी, अब तक अपनाई गई प्रभावी कार्यप्रणाली तथा अखिल भारतीय मानक संचालन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझावों सहित विस्तृत प्रस्तुति तैयार कर भेजें। बैठक का उद्देश्य राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, लापता बच्चों की त्वरित बरामदगी की व्यवस्था को मजबूत करना, मानव तस्करी के संगठित नेटवर्क के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की रणनीति तैयार करना और पूरे देश में एक समान एवं प्रभावी कार्यप्रणाली विकसित करना है। झारखंड की ओर से भी जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर विस्तृत प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें राज्य में किए गए प्रयासों, उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना को रखा जाएगा।

जेपीएससी परीक्षा विवाद पर छात्रों का सत्याग्रह नौवें दिन भी जारी, देवेंद्र नाथ भूख हड़ताल पर बैठे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा को लेकर जारी विवाद के बीच जेपीएससी और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का सत्याग्रह आंदोलन रविवार को नौवें दिन भी जारी रहा। मोरहाबादी स्थित धरनास्थल पर छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की।

धरनास्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद कई गंभीर सवाल सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रक्रिया में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। जब तक छात्रों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक सत्याग्रह आंदोलन और उनकी भूख हड़ताल जारी रहेगी।

महतो ने दावा किया कि आंदोलन के दौरान सामने आए तथ्यों और विभिन्न स्तरों पर हुई जांच से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि कथित अनियमितताओं की जांच का दायरा अब जेएसएससी की परीक्षाओं तक भी पहुंच गया है। देवेंद्र नाथ महतो ने मांग की कि 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को तत्काल रद्द किया जाए तथा विवादित परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल और अन्य भर्ती परीक्षाओं की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

आठ घंटे बाद टावर से नीचे उतरा हीरालाल पुलिस ने हिरासत में लेकर शुरू की पूछताछ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम परिसर स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक हीरालाल रविवार को करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित नीचे उतर आया। अधिकारियों और मौके पर मौजूद लोगों के काफी समझाने-बुझाने के बाद वह नीचे आने के लिए राजी हुआ। नीचे उतरते ही पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने भेज दिया। टावर से उतरने के बाद हीरालाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के लिए नीचे आया है। नीचे आते ही वह भावुक हो गया और रोते हुए पत्नी व बच्चों से मिला। उसने अपने बच्चों को गोद में उठाया और काफी देर तक भावुक रहा।

मीडिया से बातचीत के दौरान हीरालाल ने आरोप लगाया कि वह सरकारी नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं से परेशान है। उसका कहना था कि वह लंबे समय से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा है, लेकिन भर्ती प्रक्रियाओं में कथित गड़बड़ियों के कारण उसे अब तक सफलता नहीं मिल सकी। उसने दावा किया कि इसी वजह से वह मानसिक रूप से काफी परेशान था।

हीरालाल ने अपने पारिवारिक जीवन को लेकर भी कई बातें कहीं। उसका आरोप था कि उसकी पत्नी एक मेडिकल दुकान संचालित करती है और अक्सर उसे ताने देती थी कि वह एक रुपया भी कमाने की क्षमता नहीं रखता। इसी कारण उसने मुख्यमंत्री से प्रतीकात्मक रूप से एक रुपये की मांग की थी। हालांकि, इन व्यक्तिगत आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

रांची रेल मंडल में बनेगा हाईटेक कंट्रोल सेंटर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची रेल मंडल जल्द ही अत्याधुनिक तकनीक से लैस केंद्रीकृत कंट्रोल सेंटर की सुविधा से जुड़ने जा रहा है। रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, तेज और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से मंडल मुख्यालय स्थित डीआरएम कार्यालय परिसर में करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सेंट्रलाइज कंट्रोल रूम का निर्माण किया जाएगा। यह कंट्रोल सेंटर शुरू होने के बाद मंडल में चलने वाली सभी ट्रेनों की गतिविधियों की निगरानी एक ही स्थान से की जा सकेगी।

प्रस्तावित कंट्रोल रूम में विशाल वीडियो वॉल, डिजिटल मॉनिटर और आधुनिक संचार प्रणाली स्थापित की जाएगी। इन स्क्रीन पर ट्रेनों की वास्तविक समय (रियल टाइम) स्थिति, गति, समयपालन, सिग्नलिंग और परिचालन संबंधी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां लगातार उपलब्ध रहेंगी। इससे किसी भी तकनीकी खराबी, परिचालन बाधा या ट्रेन के विलंब की स्थिति में अधिकारी तत्काल निर्णय लेकर आवश्यक कार्रवाई कर सकेंगे।

नई प्रणाली को जीपीएस, सिग्नलिंग नेटवर्क और रेलवे कंट्रोल सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम से कंट्रोलर प्रत्येक ट्रेन की लोकेशन, गति और परिचालन की स्थिति पर लगातार नजर रखेंगे। आवश्यकता के अनुसार ट्रेनों की प्राथमिकता तय करने, क्रॉसिंग की योजना बनाने तथा परिचालन को सुचारु बनाए रखने का कार्य भी इसी केंद्र से किया जाएगा। रेलवे के स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, गार्ड, सिग्नल एवं इंजीनियरिंग शाखा सहित अन्य विभागों के बीच समन्वय भी इसी कंट्रोल सेंटर के माध्यम से होगा। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या या आपात सूचना तुरंत कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी, जिसके बाद संबंधित टीम को तत्काल मौके पर भेजा जा सकेगा।

झारखंड में एसआईआर का ऐक्शन, पूर्वी सिंहभूम में कटेंगे लगभग चार लाख लोगों के नाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

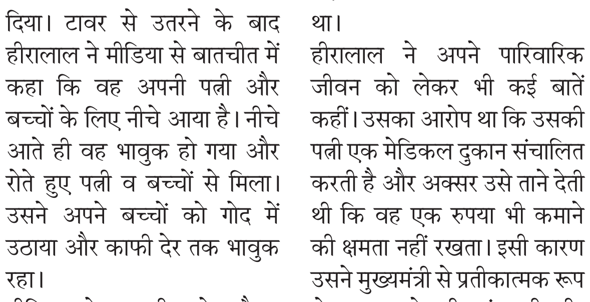

रांची : 19 लाख सात हजार 244 मतदाता वाले पूर्वी सिंहभूम जिले की वोटर लिस्ट से 3,95,439 मतदाताओं का नाम हटना तय माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि एसआईआर के दौरान इनके फॉर्म वापस नहीं लौटे। इनमें सबसे अधिक मतदाता जमशेदपुर पश्चिम और जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के हैं। सिर्फ इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में ही ऐसे वोटरों की संख्या 2.23 लाख से अधिक है। ऐसे मतदाता, जिनकी मैपिंग नहीं हुई, उनकी संख्या दो लाख 928 है। ऐसे मतदाताओं की संख्या जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 68,586 है। जमशेदपुर पश्चिम में इनकी संख्या 59,666 है। एसआईआर के दौरान कुछ अन्य आंकड़े जो उल्लेखनीय हैं, उनमें मृत वोटरों की संख्या है। 49448 वोटरों की मौत हो चुकी है। एक लाख 45 हजार 462 वोटर स्थायी रूप से पुराना आवास छोड़ चुके हैं। जमशेदपुर पूर्वी में इनकी संख्या 68,692 के साथ सबसे अधिक है।

जमशेदपुर पश्चिम में यह संख्या 23,538 है। 13,589 वोटर ऐसे हैं, जिनके नाम पहले से किसी और जगह की मतदाता सूची में मौजूद हैं। तकनीकी भाषा में इन्हें डुप्लीकेट वोटर कहा जाता है। गायब या लापता वोटरों की संख्या 1,83,558 है। इनके अलावा 3,382 मतदाता ऐसे हैं जो या तो विदेशी नागरिक हैं अथवा उन्होंने फॉर्म भरने से इनकार कर दिया। मालूम हो कि एसआईआर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को पूरी तरह से शुद्ध, पारदर्शी और अपडेट करने के लिए चलाया जाने वाला एक देशव्यापी विशेष अभियान है। इसका मुख्य ध्येय यह है कि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से छूटे नहीं और किसी भी अयोग्य का नाम सूची में न रहे।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पांच अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया जाएगा। इसे सभी बूथों, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी व सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी और जिला मुख्यालय में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद दावा-आपत्ति की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसे मतदाता जिनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, वे दावा-आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, प्रारूप प्रकाशन के तीन-चार दिन बाद से ऐसे मतदाताओं के नाम नोटिस जारी होना शुरू हो जाएगा, जिनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। ईआरओ और एईआरओ उनकी सुनवाई जज की तरह करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यहित के मुद्दों को लेकर राज्यपाल गंगवार ने गृह मंत्री अमित शाह से की चर्चा

रांची : झारखण्ड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को झारखण्ड की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक जानकारी साझा की। भेंट के दौरान झारखण्ड के विकास, प्रशासनिक व्यवस्था तथा राज्यहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। राज्यपाल ने राज्य के समग्र विकास एवं जनहित से संबंधित विषयों पर केन्द्र सरकार के सहयोग और समन्वय की अपेक्षा व्यक्त की।

झारखंड में कल से भारी बारिश के आसार कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

रांची : झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में मंगलवार से भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि अगस्त माह में सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है, हालांकि बीच-बीच में मौसम प्रणाली (सिस्टम) सक्रिय होने पर अच्छी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, जुलाई माह में राज्य में अपेक्षाकृत अच्छी बारिश दर्ज की गई। वहीं आने वाले दिनों में कुछ जिलों में भारी वर्षा के साथ तेज हवा और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। विभाग के अनुसार, 5 अगस्त को उत्तर-पश्चिमी और मध्यवर्ती जिलों हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़ और बोकारो में भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां जिलों में भी वर्षा की गतिविधियां तेज रहने का अनुमान है। वहीं 6 अगस्त को हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, रांची, लोहरदगा, गुमला और खूंटी जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 43 .2 मिलीमीटर वर्षा हजारीबाग डीवीसी क्षेत्र में दर्ज की गई। इसी अवधि में सरायकेला का अधिकतम तापमान 36 .2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 22 .2 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ। रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए रहे। बीच-बीच में हल्की धूप निकलने से दिनभर गर्मी और उमस का एहसास बना रहा।

हरमू में सरना झंडागड़ी की तीसरी वर्षगांठ मनाई गई

रांची : आदिवासी समुदाय का पवित्र सरना झंडागड़ी व सरना प्रार्थना सभा का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान रातू बेड़ो, खूंटी, गुमला, लोहरदगा के सरना प्रार्थना सभा के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम हरमू डेटा टोली के सुनीता कच्छप के आवास में आयोजन किया गया। कार्यक्रम सरना नेग नियम पूजा-पाठ और सामूहिक भजन के साथ आयोजित हुआ, जिसमें विजय कच्छप, सुभानी तिग्गा, सीता उरांव, सुनीता उरांव, नवीन तिर्की, बिरसा कच्छप, चांदनी गाड़ी, निखिल महली, गीता उरांव समेत सरना समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इस मौके पर सरना प्रार्थना के लोगों ने कहा कि आदिवासी समुदाय अब सरना प्रार्थना के माध्यम से एकजुट हो रहे है। जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में सभी एकसाथ हो रहे है। लंबे संघर्ष के बाद अब आदिवासी समाज हक अधिकार की लड़ाई में शामिल हो रहे है। सरना प्रार्थना सभा न केवल सामूहिक एकजुटता का प्रतीक है, बल्कि यह आदिवासी समुदाय को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी करती है। प्रकृति-पूजक होने के साथ-साथ अब आदिवासी समाज व्यवसाय के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि सरना प्रार्थना भजन आज आदिवासी परिवारों के घर-घर तक पहुंच रहे हैं।

झारखंड में बस परमिट व्यवस्था ठप, 200 से अधिक बसों का संचालन प्रभावित

रांची : झारखंड में बस परिवहन व्यवस्था प्रशासनिक सुस्ती के कारण गंभीर संकट का सामना कर रही है। राज्य में बस परमिट जारी करने और पुराने परमिटों के नवीनीकरण की प्रक्रिया लंबे समय से लंबित रहने से सैकड़ों बसों का परिचालन प्रभावित हो गया है।

इस स्थिति से नाराज झारखंड प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो राज्यभर में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। एसोसिएशन के अनुसार पिछले करीब तीन वर्षों से परमिट संबंधी मामलों का समय पर निपटारा नहीं हो रहा है। इसका सीधा असर 200 से अधिक बसों के संचालन पर पड़ा है। परमिट न मिलने के कारण कई बसें सड़क पर नहीं उतर पा रही हैं, जिससे बस मालिकों को लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह ने आरोप लगाया कि राज्य परिवहन प्राधिकरण और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की कार्यप्रणाली सुस्त होने के कारण परमिट से जुड़े मामलों का निष्पादन ठप पड़ा है। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत परमिट आवेदनों का तय समय सीमा के भीतर निस्तारण होना चाहिए और परिवहन प्राधिकरण की नियमित बैठकें भी अनिवार्य हैं, लेकिन इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। एसोसिएशन ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर राज्यपाल, परिवहन मंत्री, उद्योग मंत्री, मुख्य सचिव, परिवहन सचिव समेत कई अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। प्रदेश अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह के साथ कुमार पांडेय, कृष्ण कुमार दुबे, प्रसेन्नजीत बनर्जी और राजेश कुमार ने कहा कि यदि परमिट प्रक्रिया जल्द शुरू नहीं की गई तो बस मालिक व्यापक आंदोलन करेंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि स्थिति में सुधार नहीं होने पर कई संचालक अपने वाहनों का परमिट निरस्त कराकर अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर पड़ोसी राज्यों में बसों का संचालन शुरू करने पर मजबूर होंगे।

एक नजर

माँ मनसा एवं विश्वकर्मा मंदिर निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ

गोला (रामगढ़) : गोला प्रखंड के मगनपुर पंचायत अंतर्गत जाँगी स्थित करमाली टोला गाँव में ग्रामीणों की एकजुटता और सहयोग से माँ मनसा एवं भगवान विश्वकर्मा मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर बनने से क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों की आस्था का एक प्रमुख केंद्र विकसित होगा। मंदिर निर्माण कार्य में गाँव के लोग श्रमदान और आर्थिक सहयोग के माध्यम से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पूजा समिति के सदस्य भी लगातार निर्माण कार्य की निगरानी और सहयोग कर रहे हैं।

उप स्वास्थ्य केंद्र सीरु में वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दूलमी (रामगढ़) : दुलमी प्रखंड के उप स्वास्थ्य केन्द्र बुधबाजार सीरु परिसर में दुलमी प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष, कांग्रेस प्रवक्ता एवं जिला मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर दर्जनों छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण की नींव भी तैयार करता है।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जन्मदिन, विवाह, वर्षगांठ एवं अन्य सभी शुभ अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएँ और उसकी देखभाल भी करें। पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधे वृक्ष बनकर समाज और प्रकृति की सेवा करें। मौके पर युगलकिशोर महतो, सपूत कुमार, विनोद कुमार, बबलू कुमार, शिशुपाल कुमार, बिरसा कुमार, सुमित कुमार आदि मौजूद थे।

4 को जेएलकेएम का एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन

रामगढ़ : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं न्यायोचित जांच की मांग को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम कुमार महतो के निदेर्शानुसार आंदोलन को सफल बनाने के उद्देश्य से आज पटेल छात्रावास, रामगढ़ में जेएलकेएम रामगढ़ जिला की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जबकि संचालन रवि महतो द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने आगामी 04 अगस्त को जिला मुख्यालय रामगढ़ में आयोजित होने वाले एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने हेतु अपने-अपने सुझाव साझा किए।

भावी पीढ़ी के निर्माण में प्रधानाचार्यों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. नीरा यादव

कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर में दो दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक का समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर, झुमरीतिलैया में आयोजित दो दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक का रविवार को गरिमामय वातावरण में समापन हुआ। समापन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ। कार्यक्रम में झारखंड की पूर्व शिक्षा मंत्री एवं कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर विद्या विकास समिति, झारखंड के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह, सचिव अनुराग सिंह, हजारीबाग विभाग निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह तथा जमशेदपुर के सह विभाग प्रमुख बिरेंन नाथ टुडू सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

विद्यालय के प्राचार्य आनंद मोहन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े अनुभवी प्रधानाचार्यों का एक मंच पर एकत्र होकर शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और संस्कार आधारित शिक्षण पर विचार-विमर्श करना विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने विद्या भारती की कार्ययोजना एवं विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन वर्षों की साधना, समर्पण और राष्ट्रभावना का परिणाम है। उन्होंने गोरखपुर के प्रथम शिशु मंदिर से प्रारंभ हुई यात्रा का उल्लेख करते हुए इसे आज देशव्यापी शिक्षा आंदोलन का स्वरूप बताया। मुख्य अतिथि डॉ. नीरा यादव ने कहा कि प्रधानाचार्य केवल विद्यालय का प्रशासन नहीं संभालते, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी के निर्माण और समाज को सही दिशा देने में प्रधानाचार्यों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यह कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि एक कठिन साधना और सामाजिक दायित्व है। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव अनुराग सिंह ने प्रधानाचार्यों से विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त, चरित्रवान एवं राष्ट्रोपयोगी शिक्षा प्रदान करने का आह्वान किया। वहीं विभाग निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके आगमन को विद्यालय के लिए सौभाग्य बताया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र परिषद की ओर से प्रांतभर से आए सभी प्रधानाचार्यों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। परिषद के संयोजक पंकज सिंह के साथ डॉ. मीनाक्षी, अंकित गुप्ता, लखन सिंह, अनिमेश यादव, रितेश सिंह, सूरज सौरव, विकास जैन, विनीत संघई, पंकज शर्मा एवं हर्ष शर्मा सहित अनेक पूर्व छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धनबाद विभाग के विभाग प्रमुख नीरज लाल ने किया। बैठक में विद्या विकास समिति के पूर्णकालिक कार्यकर्ता अखिलेश कुमार, ओम प्रकाश सिन्हा, रमेश कुमार, विवेक नयन पांडेय, तुलसी कुमार ठाकुर, मनोज भारद्वाज, धनंजय कुमार श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार सहित झारखंड के विभिन्न जिलों से आए प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। बैठक के सफल आयोजन में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति, आचार्यों एवं शिक्षिकाओं की सक्रिय भूमिका रही।

बाबा होटल में देह व्यापार का भंडाफोड़ 5 गिरफ्तार, 3 पीड़ित महिलाएं मुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंदवारा थाना क्षेत्र के उरवां मोड़ स्थित बाबा होटल में शनिवार देर रात छापेमारी कर देह व्यापार के रैकेट का पदार्फाश किया। कार्रवाई के दौरान तीन पीड़ित महिलाओं को मुक्त कराया गया, जबकि तीन ग्राहकों, एक ब्रोकर और होटल के मैनेजर समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। होटल से आपत्तिजनक सामग्री, शराब, मोबाइल फोन, आगंतुक पंजी तथा दो कार और एक इलेक्ट्रिक स्कूटी भी जब्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बाबा होटल में लंबे समय से अनैतिक देह व्यापार संचालित किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद तिलैया थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने योजनाबद्ध तरीके से होटल में छापेमारी की। पुलिस ने मौके से नवादा (बिहार) निवासी रंजीत कुमार, बिरेन्द्र कुमार, कोडरमा के असनाबाद निवासी मो. एहतेशाम, उरवां निवासी ब्रोकर कैलाश प्रसाद वर्मा तथा गिरिडीह निवासी होटल मैनेजर रवि कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

छापेमारी के दौरान तीन पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित मुक्त कराया गया। होटल के कमरों से कंडोम, इस्तेमाल किए गए कंडोम, शक्तिवर्धक टैबलेट, शराब की बोतलें, बीयर, सिगरेट, मोबाइल फोन और होटल का आगंतुक रजिस्टर बरामद किया गया। इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से दो चारपहिया वाहन और एक इलेक्ट्रिक स्कूटी भी जब्त की गई। पुलिस ने इस मामले में चंदवारा थाना में संबंधित धाराओं एवं अनैतिक देह व्यापार निरोधक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जिस किसी की भी संलिप्तता सामने आएगी, उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में अनैतिक देह व्यापार, मानव तस्करी, अवैध शराब और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष, आधा दर्जन लोग घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नवलशाही थाना क्षेत्र के खरखार गांव में रविवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में दोनों पक्षों से करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल, कोडरमा में चल रहा है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने नवलशाही थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

घायलों की पहचान सावित्री देवी (पति बाबूलाल साव), बाबूलाल साव (पिता स्व. कलेश्वर साव), रेखा कुमारी (पिता बाबूलाल साव), नरेश साव (पिता बाबूलाल साव), मनीष साव (पिता वीरेंद्र साव) और अनीश साव (पिता वीरेंद्र साव) के रूप में हुई है। घायल सावित्री देवी ने आरोप लगाया कि वीरेंद्र साव, उनके पुत्र मनीष साव, अनीश साव सहित अन्य लोगों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। वहीं, दूसरे पक्ष ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है।

इस संबंध में नवलशाही थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस गश्ती दल को घटनास्थल पर भेजा गया। प्रारंभिक जांच में मामला जमीनी विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बाइक बैटरी चोरी का खुलासा दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : तिलैया थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल की नई बैटरियां चोरी करने के मामले का त्वरित खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर एक्साइड कंपनी की 14 नई मोटरसाइकिल बैटरियां बरामद कर ली हैं। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार तिलैया थाना कांड संख्या 228/26 के तहत मामला दर्ज किया गया था। सामांतो पंप के सामने स्थित दुकान के संचालक राजकुमार भदानी ने शिकायत की थी कि उनकी दुकान में कार्यरत कर्मचारी सुमित कुमार नई बैटरियां चोरी कर ले गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी विनय कुमार के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी सुमित कुमार (18) और रोहित कुमार (25) को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई एक्साइड कंपनी की 14 नई मोटरसाइकिल बैटरियां बरामद कर जब्त कर ली गईं। पुलिस ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। चोरी की पूरी संपत्ति बरामद होने से मामले का सफलतापूर्वक उद्भेदन हो गया है।

मजदूर नेता महेन्द्र तुरी की स्मृति में आयोजित हुआ श्रद्धांजलि सभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला कमिटी सदस्य और सीटू के जिला उपाध्यक्ष व कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता महेन्द्र तुरी की स्मृति श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सहाना गार्डन कोडरमा में हुआ। मालूम हो कि 30 जुलाई को माकपा नेता महेन्द्र तुरी की मौत 30 जुलाई को ब्रेन हेमरेज से हो गया। रविवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता सीपीएम के जिला सचिव असीम सरकार ने किया। जहां सर्वप्रथम महेन्द्र तुरी की तस्वीर पर उनके पुत्र मंटू तुरी ने माल्यार्पण कर किया। जिसके बाद सभी सामाजिक कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित किया। जहां महेन्द्र तुरी अमर रहे, महेन्द्र तुरी

को लाल सलाम आदि गगनभेदी नारे लगाए जा रहे थे। दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी वक्ताओं ने महेन्द्र तुरी को सच्चे कम्युनिस्ट और कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता कहा। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, कोडरमा नगर पंचायत अध्यक्ष साजिद हुसैन, मेघातरी पंचायत समिति सदस्य सबिता देवी, सीपीएम राज्य सचिवमंडल सदस्य संजय पासवान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक, रामलखन सिंह, युवा राजद अध्यक्ष मनोज रजक, सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम पांडेय, चरणजीत सिंह, महेश भारती, पूर्व बैंक अधिकारी नागेश्वर दास, धीरज यादव, आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी, एटक नेत्री सोनिया देवी, सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश, कर्मचारी नेता शैलेन्द्र तिवारी, दिनेश रविदास, एक्टू के जिलाध्यक्ष विजय पासवान, नागेश्वर दास, आम आदमी पार्टी के महेश यादव, भोला तुरी, जगदीश तुरी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

जीवनदाता वंदन उत्सवः मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के चरण पखार कर लिया आशीर्वाद

माता पिता और बुजुर्ग समाज कि सबसे बड़ी धरोहर है : आकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा की ओर से रविवार को वृद्धाश्रम में जीवनदाता वंदन उत्सव का भावपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति सम्मान, सेवा और कृतज्ञता का संदेश दिया गया। शाखा की सदस्यों ने वृद्धाश्रम में रह रहे माता-पिता तुल्य बुजुर्गों के चरण पखारकर उनका सम्मान किया, आरती उतारी तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही उन्हें खाद्य सामग्री भेंट कर उनके प्रति अपनी श्रद्धा और सेवा-भाव व्यक्त किया।

इस आत्मीय पहल से वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्ग भावुक हो उठे। कार्यक्रम के दौरान उनके साथ समय बिताया गया, उनका कुशलक्षेम जाना गया और आत्मीय संवाद के माध्यम से उन्हें अपनत्व का एहसास कराया गया। आयोजन के दौरान पूरे परिसर का वातावरण श्रद्धा, सम्मान और संवेदनाओं से ओतप्रोत रहा।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा आकृति चौधरी ने कहा कि माता-पिता और बुजुर्ग समाज की सबसे बड़ी धरोहर हैं। उनके त्याग, स्नेह और संस्कारों ने परिवार और समाज की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों का सम्मान करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का भी प्रतीक है। उनके आशीर्वाद से ही जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है।

उन्होंने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा आगे भी समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेवा और संवेदनशीलता से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी, ताकि समाज में मानवीय मूल्यों को और अधिक मजबूती मिल सके। कार्यक्रम में शाखा की सचिव प्रिया अग्रवाल, सारिका लड्ढा, नेहा हिसारिया, नेहा जैन, बीना जैन, कृति चौधरी, मीना हिसारिया, रिचा खटूवाला एवं ज्योति अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन सभी बुजुर्गों के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं सुखमय जीवन की मंगलकामना के साथ किया गया। आयोजन की इस अनूठी पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज में बुजुर्गों के सम्मान और सेवा-भाव को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायी प्रयास बताया।

संक्षिप्त खबरें

गोड्डा से चोरी हुआ ट्रैक्टर दस दिन बाद जामताड़ा से बरामद पांच आरोपी गिरफ्तार

गोड्डा : बीते सप्ताह गोड्डा क्षेत्र से चोरी हुए ट्रैक्टर को जामताड़ा से बरामद कर कांड में संलिप्त पांच आरोपियों को भी गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले की जानकारी देते हुए एसडीपीओ गोड्डा आकाश भारद्वाज ने बताया कि 21 जुलाई की रात्रि ग्राम महुआटांड सुंदरपहाड़ी निवासी परमानन्द साह का महिंद्रा ट्रैक्टर संख्या जेएच 17 वी 4613 एवं ट्रेलर संख्या जेएच 17 वी 4514 अज्ञात अपराधियों द्वारा चालक के घर के समीप से चोरी कर लिया गया। इस संबंध में सुंदरपहाड़ी थाना कांड संख्या-20/26 धारा-305 बीएनएस के तहत दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया जा रहा था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण किया तथा तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मानव सूचना एवं अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अनुसंधान करने के क्रम में तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गए महिंद्रा ट्रैक्टर एवं ट्रेलर को घटना के मुख्य आरोपी प्रहलाद गोराई के घर से बरामद कर लिया गया। इस घटना को चोरों के संगठित गिरोह द्वारा अंजाम दिया गया था। कांड में संलिप्त आरोपियों की पहचान प्रहलाद गोरांय, उम्र करीब 30 वर्ष, पिता सष्टिपद गोरांय, ग्राम डारर, थाना नाला, जिला जामताड़ा, संचित कुमार उर्फ भोला, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता कृष्णा पाल, ग्राम उपर मंझियारा, थाना दुमका मुफस्सिल, नवनीत कुमार राणा, उम्र करीब 20 वर्ष, पिता विष्णु राणा, पुराना केवट पाड़ा दुमका नगर, जगेश पाल, उम्र करीब 23 वर्ष, पिता राम पाल, ग्राम कठलिया, थाना मसलिया दुमका एवं आलोक कुमार पाल, उम्र करीब 26 वर्ष, पिता कमल कुनार पाल हिजला रोड दुमका के रूप में हुई। गिरफ्तार पांचों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। इनसे हुए पूछताछ के आधार पर इस मामले से जुड़े अन्य वाहन चोर गिरोह से जुड़े व्यक्तियों की तलाश की जा रही है। पुलिस टीम को मिली यह सफलता उनके सतत प्रयास, तकनीकी अनुसंधान, वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रहण तथा प्रभावी सूचना तंत्र का परिणाम है। पुलिस अधिकारी ने जिले के नागरिकों से अपील किया है कि अपने ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल-112 पर दें। छापामारी दल में आकाश भारद्वाज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुनि मधुसूदन मोदक, विधानचन्द्र पटेल, थाना प्रभारी सुन्दरपहाड़ी, आनन्द साहा, थाना प्रभारी, गोड्डा मुफस्सिल, सअनि रंजीत कुमार सिंह, कामेश्वर यादव, तेलोस्फर भेंगरा एवं सुन्दरपहाड़ी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

4 को विकास मेला सह परिसंपत्तियों का होगा वितरण

रामगढ़ : विकास मेला सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम के अवसर पर दिनांक 04.08.2026 को बरलंगा थानान्तर्गत लुकैयाटाँड़ एवं नेमरा में मुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार एवं अन्य विशिष्टगण के आने की सूचना है। उक्त अवसर पर काफी संख्या में भीड़ होने की सम्भावना है। अतः उक्त अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़ के द्वारा यातायात व्यवस्था दिनांक 04.08.2026 को प्रातः 05:00 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक डी०वी०सी० चौक, गोला से सिल्ली मोड़ स्वर्णरेखा पुल तक सभी प्रकार के मालवाहक गाड़ी/ट्रक/भारी वाहन इत्यादि के आवागमन को पूर्णतः बंद किया गया है :-

1.सभी मालवाहक गाड़ी/ट्रक/भारी वाहनों का डी०वी०सी० चौक, गोला से सिल्ली मोड़ स्वर्णरेखा पुल तक प्रवेश वर्जित रहेगा।
2.सभी मालवाहक गाड़ी/ट्रक/भारी वाहनों का सिल्ली मोड़ से डी०वी०सी० चौक, गोला तक प्रवेश वर्जित रहेगा।

चितरपुर में अनावरण लाइवलीहुड सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नई शाखा का हुआ उद्घाटन

रजरप्पा (रामगढ़) : रजरप्पा प्रोजेक्ट मोड़ स्थित बीएसएनएल टॉवर के समीप रविवार को अनावरण लाइवलीहुड सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नई शाखा का शुभ उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में कंपनी के निदेशक खालिद अहमद, गुलाम सरवर एवं रुकैया नाज उपस्थित रहे। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक सरफराज आलम के साथ कर्मचारी रियाज अंसारी, सरफराज नवाज एवं तिलेश्वर कुमार रवि भी मौजूद थे। कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि नई शाखा में ग्राहकों के लिए याकुजा ईवी स्कूटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, इलेक्ट्रिकल सामान सहित अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं आसान मासिक किस्तों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि निर्धारित नियम एवं शर्तों के तहत इन उत्पादों पर 0 प्रतिशत ब्याज की सुविधा भी दी जा रही है। मौके पर कंपनी प्रबंधन ने क्षेत्र के लोगों से नई शाखा में पहुंचकर उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

सावन की कलश यात्रा में अभाविप ने लगाया सेवा शिविर, शिवभक्तों को पिलाया शर्बत और पेयजल

गोला (रामगढ़) : सावन माह के अवसर पर रविवार को गोला के बी.एस. रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), गोला इकाई की ओर से शीतल शर्बत एवं शुद्ध पेयजल सेवा शिविर लगाया गया। कलश यात्रा मार्ग पर आयोजित सेवा शिविर में परिषद के कार्यकताओं ने सेवा भाव के साथ हजारों महिला एवं पुरुष शिवभक्तों के बीच ठंडा शर्बत और पेयजल का वितरण किया। उमस भरी गर्मी के बीच श्रद्धालुओं को इस सेवा शिविर से काफी राहत मिली। एबीवीपी के इस जनसेवा कार्य की स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने सराहना की। सेवा शिविर के संचालन में एबीवीपी के नगर मंत्री नैतिक पोद्दार एवं नगर सह मंत्री रोशन कुमार सिंह की सक्रिय भूमिका रही। वहीं विक्की स्वर्णकार, प्रिंस पोद्दार, समीर पोद्दार, रोशन पोद्दार, दीपू पोद्दार, आयुष पोद्दार, कुंदन कुमार सहित संगठन के कई कार्यकताओं ने पूरे समर्पण के साथ शिवभक्तों की सेवा कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

लंबित छात्रवृत्ति भुगतान को लेकर एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने विधायक से की मुलाकात

गोला (रामगढ़) : रामगढ़ एनएसयूआई छात्र संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी से उनके गोला(मठवाटाँड़) स्थित कार्यालय में मुलाकात कर जिले सहित पूरे राज्य में लंबित छात्रवृत्ति भुगतान की गंभीर समस्या से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि रामगढ़ जिले के लगभग 13,000 तथा राज्य के लाखों छात्र-छात्राएँ छात्रवृत्ति नहीं मिलने से गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। छात्रवृत्ति के अभाव में अनेक विद्यार्थी अपना पंजीकरण नहीं करा पा रहे हैं, कई परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित हैं, जबकि आर्थिक तंगी के कारण कुछ विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने की नौबत आ गई है। विधायक ममता देवी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि इस महत्वपूर्ण विषय पर वे शीघ्र ही संबंधित विभागीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर छात्रवृत्ति भुगतान में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा सभी पात्र विद्यार्थियों को अविलंब छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की माँग करेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है और आर्थिक कारणों से किसी भी छात्र-छात्रा की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी जाएगी।

दलमा में नए टूरिज्म कॉटेज का हुआ उद्घाटन, पर्यटन विकास के साथ हाथी-मानव संघर्ष का मुद्दा भी उठा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : दलमा वाइल्डलाइफ सेंचुरी स्थित माकूलाकोचा चेकनाका के समीप निर्मित नए टूरिज्म कॉटेज का रविवार को पर्यटन मंत्री सुजीत कुमार सोनू, ईचागढ़ विधायक सविता महतो एवं दलमा डीएफओ सवा आलम अंसारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दलमा क्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पर्यटन विकास निगम के 30 युवाओं को आईएचएम मुंबई से प्रशिक्षण दिलाया गया है, जिससे उन्हें पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी और छोटे व्यवसायों को भी लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों ने मंत्री से हाथी-मानव संघर्ष के बढ़ते मामलों पर भी सवाल किया। इस दौरान मंत्री की टिप्पणी चर्चा का विषय बनी। वहीं स्थानीय लोगों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों का कहना है कि दलमा क्षेत्र में हाथियों के विचरण, जंगलों की स्थिति और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए ठोस एवं दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता है। ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि प्रमोद शर्मा ने कहा कि किसी भी वन्य पर्यटन क्षेत्र की पहचान वहां के वन्यजीवों से होती है। यदि जंगल में वन्यजीवों की संख्या कम होगी तो पर्यटन पर भी इसका असर पड़ेगा। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ-साथ हाथी-मानव संघर्ष को रोकने के लिए सोलर फेंसिंग, फूड प्लॉट, जल स्रोतों के विकास, निगरानी व्यवस्था तथा अन्य प्रभावी उपायों पर भी प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाए।

दलमा ईको रिट्रीट उद्घाटन पर बवाल, वन विभाग पर जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का आरोप

चांडिल : दलमा वाइल्डलाइफ सेंचुरी के माकुलाकोचा में रविवार को आयोजित ईको रिट्रीट उद्घाटन समारोह विवादों में घिर गया है। कार्यक्रम को लेकर वन विभाग पर जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा, मनमानी और स्थानीय आदिवासी परंपराओं के अपमान के गंभीर आरोप लगे हैं। सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर वन विभाग की कार्यशैली की कड़ी निंदा की है। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि यह कार्यक्रम क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के संसदीय क्षेत्र में हुआ, लेकिन पूरे आयोजन में उनके सम्मान को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर कार्यक्रम स्थल तक कहीं भी मंत्री जी का कटआउट, स्वागत द्वार या सम्मानजनक प्रदर्शन नहीं था। औपचारिकता निभाने के लिए सिर्फ एक गड्ढे के पास कटआउट लगा देना उनके पद और क्षेत्र की जनता का घोर अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे कार्यक्रम में न तो केंद्रीय मंत्री के विकास कार्यों का उल्लेख किया गया और न ही उनके अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उन्हें संबोधित करने का मौका दिया गया। यह उपेक्षा अनजाने में नहीं, बल्कि सुनियोजित थी। आरोप है कि वन विभाग ने कार्यक्रम की सूचना तक स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और जनसेवकों को नहीं दी। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि सरकारी कार्यक्रम जनता से जुड़ने के लिए होते हैं, लेकिन वन विभाग ने इसे कुछ अधिकारियों तक सीमित कर दिया। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। सबसे ज्यादा आक्रोश धार्मिक परंपराओं की अनदेखी को लेकर है। सांसद प्रतिनिधि ने कहा, पूजा-अर्चना के लिए बाहर से पंडित बुलाए गए, जबकि इस क्षेत्र की परंपराओं के संवाहक स्थानीय पंडित, लाया और पाहन को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया।

पहली सोमवारी पर बाबा नगरी में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : सावन माह की पहली सोमवारी को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में आस्था का सैलाब उमड़ने को तैयार है। रविवार से ही लाखों की संख्या में कांवरिया श्रद्धालु सुल्तानगंज से जल लेकर देवघर की ओर बढ़ते दिखाई दिए। सोमवार को जलार्पण करने की इच्छा के साथ श्रद्धालु तेज गति से कांवरिया पथ पर आगे बढ़ते रहे। रविवार को हुई हल्की बारिश ने लंबी यात्रा से थके कांवरियों को राहत पहुंचाई और उनमें नई ऊर्जा का संचार किया। पिछले कुछ दिनों की तुलना में कांवरियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। जगह-जगह बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा बाबा नगरी भक्तिमय माहौल में डूब गया। पहली सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन ने भी व्यापक तैयारियां कर ली हैं। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के नेतृत्व में रविवार सुबह कांवरिया पथ, रूट लाइन, अमानत घर, मंदिर के प्रवेश और निकास द्वार सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शनिवार को आयोजित ब्रीफिंग बैठक में अनुमान जताया गया था कि पहली सोमवारी पर दो लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण करेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। रविवार शाम तक हजारों कांवरिया देवघर की सीमा में प्रवेश कर मंदिर की ओर बढ़ने लगे थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया कि पहली सोमवारी पर बाबा नगरी में आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ेगा।

अर्थ एनक्लेव के फ्लैट मालिकों ने बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला जिला के आर आई टी थाना अंतर्गत अर्थ एनक्लेव के फ्लैट स्वामियों एवं निवासियों ने रविवार को आर.आई.टी. थाना पहुंचकर बिल्डर कंपनी एम/एस ग्रीन वाटिका कंस्ट्रक्शंस प्रा. लि. के निदेशकों एवं अन्य संबंधित लोगों के विरुद्ध संयुक्त आवेदन सौंपते हुए प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की। फ्लैट मालिकों का आरोप है कि बिल्डर द्वारा आकर्षक वादों और विभिन्न सुविधाओं का आश्वासन देकर फ्लैटों की बिक्री की गई, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी परियोजना पूरी नहीं हो सकी। आवेदन में कहा गया है कि आज भी कई आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, निर्माण कार्य में गंभीर खामियां हैं तथा खरीदारों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फ्लैट मालिकों ने इसे खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। संयुक्त आवेदन में कंपनी के निदेशक अजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सोनम अग्रवाल एवं सुमिता अग्रवाल के अलावा गौरव अग्रवाल, रोशन सिंह, शीतल खुल्लर तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। फ्लैट मालिकों का कहना है कि उन्हें लंबे समय से न्याय का इंतजार है, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत एफआईआर दर्ज करने, दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा सभी पीड़ित फ्लैट खरीदारों को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है।

जलजमाव में पलटा टोटो, चालक घायल सड़क की बदहाली पर ग्रामीणों में नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कोटालपोखर स्थित गन्नी चौक रेलवे फाटक के समीप एक टोटो सड़क पर पलट गया। हादसे के समय टोटो में फिल्टर बोतलबंद पानी लदा हुआ था। दुर्घटना में चालक संदीप कुमार घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को तत्काल नजदीकी क्लिनिक में उपचार के लिए भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पलटे टोटो को सीधा किया और यातायात को सामान्य कराया। स्थानीय लोगों ने बताया कि गन्नी चौक रेलवे फाटक के पास लंबे समय से जलजमाव की समस्या बनी हुई है। सड़क पर लगातार पानी जमा रहने से बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी होती है। लोगों का कहना है कि सड़क की इसी बदहाल स्थिति के कारण यहां आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इसी मार्ग से प्रतिदिन स्कूली बच्चों को लेकर छोटी स्कूल गाड़ियां और स्कूल बसें भी गुजरती हैं। ऐसे में सड़क की वर्तमान स्थिति को देखते हुए कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय ग्रामीणों और व्यापारियों ने प्रशासन से सड़क की मरम्मत तथा जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता।

धर्म की अक्षुणता और सनातन समाज की सुरक्षा ही विहिप का प्रथम लक्ष्य: बीरेंद्र बिमल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : विश्व हिंदू परिषद प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक जिले के गुदरी बाजार स्थित मुद्रिका भवन में हुई। बैठक में सैकड़ों प्रांतीय, केन्द्रीय और राज्य के विभिन्न जिलों के पदाधिकारी की उपस्थिति में पटना गुवाहाटी क्षेत्र धमार्चार्य प्रमुख बीरेंद्र बिमल, क्षेत्र मंत्री बीरेंद्र साहू, प्रान्त उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव, प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्रा, मार्गदर्शन मंडली संयोजक चैतन्य स्वामी कृष्ण ब्रह्मचर्य, सह मंत्री मनोज पोद्दार, रामनरेश सिंह, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष रीतेश कुमार शामिल हुए। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से भारत माता एवं श्रीराम दरबार मे पुष्पार्जन कर प्रांतीय कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ किया। इस दौरान पटना गुवाहाटी क्षेत्र धमार्चार्य प्रमुख बीरेंद्र बिमल ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद का प्राथमिकता सनातन धर्म की अक्षुण्यता और सनातनियों एवं देश की रक्षा है। आज हमारे समाज के कुछ बच्चे गलत लोग हिन्दू द्रोहियों के बहकावे में आकर धर्म विरोधी गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता के चुने गये जनप्रतिनिधि संसद भवन में सनातन धर्म का मजाक उड़ा रहे है। साधु संतों की वेश भूषा बनाकर गलत तरीके से उनके सम्मान को आघात पहुंचा रहे हैं। आज सनातनियों को समझना होगा कि धर्म को बचाने के लिए किस तरह का कदम सही होगा। आत्मावलोकन की आवश्यकता है। हमारी स्वरूप हमारी शील चरित्र, वाणी की क्या प्रमाणिकता है, इसकी समीक्षा कीजिये। सनातनियों की प्रमाणिकता और पहचान के लिए सर्वप्रथम हमें अपनी ललाट पर तिलक अवश्य लगानी चाहिये।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की आधारशिला : कुलपति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

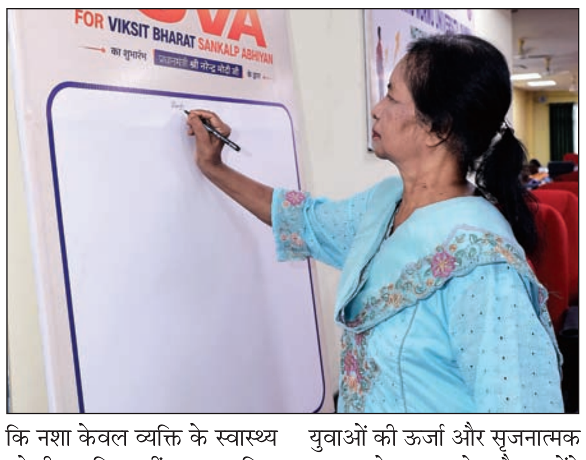

दुमका : 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत शनिवार को सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में व्यापक जनसहभागिता के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के 125 चयनित शिक्षण संस्थानों के साथ वर्चुअल संवाद के माध्यम से किया। इन चयनित संस्थानों में सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय का चयन विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय रहा। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में एडमिन ब्लॉक-2 के सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो कुनुल कंदीर ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है।

उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाता है तथा युवाओं की ऊर्जा और सृजनात्मक क्षमता को नष्ट कर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संयमित जीवनशैली अपनाते हुए समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करें। कार्यक्रम का आरंभ पीएम के उद्बोधन और वर्चुअल संवाद के सामूहिक अवलोकन से हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने, स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विवि के कुलानुशासक डॉ राजीव कुमार ने उपस्थित प्रतिभागियों को 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत' की सामूहिक शपथ दिलाई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कुलसचिव डॉ अब्दुस सत्तार ने कहा कि युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। इसे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से सुरक्षित रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। वित्त पदाधिकारी डॉ संजय कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों से अनुशासन, आत्मसंयम और स्वस्थ जीवन-मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ भी किया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के समर्थन में हस्ताक्षर कर सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन एनएसएस समन्वयक डॉ धनंजय कुमार मिश्र ने किया। उन्होंने अभियान के उद्देश्य, राष्ट्रीय सेवा योजना की सामाजिक भूमिका एवं युवाओं की उत्तरदायित्वपूर्ण सहभागिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशामुक्ति केवल सरकारी अभियान नहीं,बल्कि सामाजिक चेतना का व्यापक आंदोलन है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है।

एक नजर

सरिया पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

सरिया : सरिया पुलिस द्वारा डाक बंगला रोड सरिया में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया चार पहिया वाहनों की डिक्की की तलाशी ली गई। बिना हेलमेट के वाहन चालकों को कड़ी फटकार लगाई गई। उनके वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस पेपर आदि की जांच की गई। इधर पुलिस की चेकिंग अभियान की भनक लगते ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस तथा बिना हेलमेट के बाइक चालक दूसरे रास्ते से भागते नजर आए। सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा वाहन चालकों को कई टिप्स दिए गए।

झारखंड के आयुष सीएचओ का बदलेगा पदनाम : डॉ अरविंद

पलामू : झारखंड में कार्यरत आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ) का पदनाम जल्द ही बदलकर आयुष चिकित्सा पदाधिकारी (आयुर्वेद, होमियोपैथ एवं यूनानी) सह आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी किया जाएगा। इस संबंध में आयुष निदेशालय ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही आयुष सीएचओ को वार्षिक 08 प्रतिशत तक इंक्रीमेंट, स्वास्थ्य बीमा और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) का लाभ देने की दिशा में भी पहल की गई है। पीपरा प्रखंड के अंधारीबाग आयुष्मान आरोग्य आयुष मंदिर में कार्यरत आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ अरविंद कुमार ने रविवार को बताया कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देश पर पदनाम परिवर्तन का प्रस्ताव तैयार कर उच्चस्तरीय अनुमोदन के लिए भेजने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि राज्य के 487 अनुबंध आधारित आयुष सीएचओ को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के सामान्य सीएचओ की तर्ज पर कार्य मूल्यांकन के आधार पर अधिकतम 08 प्रतिशत वार्षिक इंक्रीमेंट देने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा सभी आयुष सीएचओ को राज्य सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना और ईपीएफ से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। डॉ कुमार ने कहा कि इन प्रस्तावों के लागू होने से आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को सेवा सुरक्षा मिलेगी, उनका मनोबल बढ़ेगा और राज्य में आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को एवं अधिक मजबूती मिलेगी।

महिला की हत्या कर शव कैनाल में फेंकने वाला आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : परसुडीह थाना क्षेत्र के कलियाडीह कैनाल से 26 जुलाई को बरामद महिला के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझाने का दावा किया है। मामले में पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपित को गिरफ्तार करते हुए हत्या में इस्तेमाल किए गए वाहन और अन्य सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपित ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि महिला लगातार उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी, जिससे तंग आकर उसने उसकी हत्या कर दी और शव को कैनाल में फेंक दिया। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ललित कुमार मीणा ने बताया कि 26 जुलाई की सुबह करीब 8:20 बजे कलियाडीह कैनाल में एक अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना पर परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जांच के बाद शव की पहचान जुगसलाई के बंगालीपाड़ा निवासी 45 वर्षीय किरण देवी के रूप में हुई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और गुप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच में पोटका थाना क्षेत्र के छोटा बांदुआ निवासी दासमत बास्के की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली।

संक्षिप्त खबरें

सिल्ली के शिक्षक हीरालाल महतो बने एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड के काटाडीह गांव निवासी शिक्षक हीरालाल महतो ने एनसीसी में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एसोसिएट एनसीसी आफिसर का पद प्राप्त किया है। वर्तमान में वह रांची जिला तमाड़ सालगाडीह स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में कार्यरत हैं। उन्होंने 36 झारखंड बटालियन धनबाद के माध्यम से महाराष्ट्र के नागपुर के पास कामठी स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में 2 जून से 1 अगस्त तक आयोजित प्रशिक्षण में सफलतापूर्वक पूरा किया। एक अगस्त को समापन समारोह में इस सत्र मेंदेश के विभिन्न राज्यों से आए 553 शिक्षकों में चयनित प्रतिभागियों को दो सितारे प्रदान कर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर के रूप में सम्मानित किया गया। एनसीसी ऑफिशल्स ट्रेनिंग अकादमी के कमांडेंट मेजर जनरल सरबजीत सिंह बक्शी ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर के रूप में तैयार करना, जो देश के युवाओं और एनसीसी कैडेटों का मार्गदर्शन कर सकें।

आरआरबी परीक्षा अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे चलाएगा विशेष परीक्षा ट्रेन

चक्रधरपुर : रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की विभिन्न परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा और परीक्षा अवधि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने विशेष परीक्षा ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। इन विशेष ट्रेनों के संचालन से झारखंड, बिहार और ओडिशा के विभिन्न क्षेत्रों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को काफी राहत मिलेगी। दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से रविवार को जारी जानकारी के अनुसार पहली विशेष ट्रेन संख्या 08183/08184 राउरकेला-रामगढ़ कैंट-राउरकेला परीक्षा स्पेशल 17 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक निर्धारित तिथियों में संचालित होगी। यह ट्रेन राउरकेला से शाम 8.30 बजे प्रस्थान करेगी और बानो, हटिया, रांची तथा मुरी होते हुए अगले दिन तड़के 2.15 बजे रामगढ़ कैंट पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन रामगढ़ कैंट से सुबह 5.15 बजे रवाना होकर मुरी, रांची, हटिया और बानो के रास्ते पूर्वाह्न 11.30 बजे राउरकेला पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 18 आईसीएफ कोच लगाए जाएंगे, जिनमें सामान्य श्रेणी एवं एसएलआरडी कोच शामिल रहेंगे। इसके अलावा ट्रेन संख्या 08601/08602 रांची-सबौर-रांची परीक्षा स्पेशल का परिचालन 3 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक विभिन्न निर्धारित तिथियों में कुल 15-15 फेरे के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन रांची से शाम 7 बजे प्रस्थान कर बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा, तिलैया, नवादा, वारसलीगंज, शेखपुरा, लखीसराय जंक्शन, किऊल, अभयपुर, जमालपुर जंक्शन, सुल्तानगंज और भागलपुर होते हुए सुबह 8 बजे सबौर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन सबौर से सुबह 9.50 बजे रवाना होकर उसी मार्ग से रात 10.45 बजे रांची पहुंचेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों के संचालन का उद्देश्य परीक्षा अभ्यर्थियों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है, ताकि परीक्षा के दौरान अतिरिक्त भीड़ का दबाव नियमित ट्रेनों पर कम किया जा सके। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन के परिचालन दिवस एवं समय की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

कांग्रेस पार्टी की पंचायत परामर्श यात्रा शुरू, पलामू प्रमंडल की सभी पंचायतों में सुनी जाएंगी समस्याएं

पलामू : कांग्रेस पार्टी की पंचायत परामर्श यात्रा रविवार से शुरू हो गई। पलामू प्रमंडल की सभी पंचायतों में इस यात्रा के तहत समस्याएं सुनी जाएंगी। पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने पहले दिन की यात्रा के तहत पलामू जिले के पाटन प्रखंड का दौरा किया। दौरे के क्रम में मुख्यत: लोगों ने अंचल, प्रखंड और थाना में हो रही परेशानियों के बारे में बताया एवं सबसे बड़ी समस्या परीक्षाओं में हो रही छात्रों को दिक्कत, जैसे हिंदी भाषा नहीं रहने के कारण और साथ ही क्षेत्रीय भाषा में मगही, भोजपुरी भाषाओं का न होने से छात्रों को प्रश्नपत्रों को समझने में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया। प्रखंड के पंचायत सचिवालय मेराल, बरवाडीह, सिरमा, सहदेवा, राजहरा, सगुना, सेमरी, पंचकेडिया, नवाखास में लोगों की समस्या को सुना गया। त्रिपाठी ने बताया कि पंचायत परामर्श यात्रा के तहत पलामू जिले की 283, गढ़वा के 189 एवं लातेहार जिले की 115 पंचायतों का दौरा किया जाएगा। इस दौरान पंचायत क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों से इलाके की प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली जाएगी। ज्यादातर कार्यक्रम पंचायत सचिवालय में होंगे लेकिन जहां पर यह व्यवस्था नहीं होगी वहां के सार्वजनिक जगह पर समस्याओं की जानकारी दी जाएगी। 15 अक्टूबर तक को इसका समापन होगा। मौके पर कांग्रेस पार्टी के कई कार्यकर्ता और त्रिपाठी समर्थक मौजूद थे।

फ्रेंडशिप डे पर पौधारोपण, विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

खूंटी : फ्रेंडशिप डे के अवसर पर रविवार को मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान कोचिंग परिसर में सागवान, महोगनी, गुलमोहर सहित छह छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। विद्यार्थियों ने पौधारोपण के साथ उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक सह शिक्षक सकलदीप भगत ने विद्यार्थियों को प्रकृति से मित्रता करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रवृक्ष से बड़ा मित्र कोई नहीं होता। वृक्षों से मिलने वाली शीतल और शुद्ध हवा का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहने, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिवेंद्र नाथ तिवारी ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से जुड़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर, स्वच्छ मन और अच्छी संगति ही उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सदैव जागरूक रहने का संकल्प लिया।

पप्पू यादव का विवादों भरा राजनीतिक सफर

राजेश रंजन, जिन्हें पप्पू यादव के नाम से जाना जाता है, बिहार की राजनीति के विवादास्पद नेताओं में गिने जाते हैं। उनका राजनीतिक जीवन जितना लंबा है, उतना ही विवादों से भी घिरा है। वे कई बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं और समय-समय पर समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), लोक जनशक्ति पार्टी तथा बाद में अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के माध्यम से राजनीति करते रहे। वर्ष 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, हालांकि पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की और बाद में संसद में कांग्रेस-नीत विपक्ष के साथ तालमेल बनाकर काम करना शुरू किया। पप्पू यादव का राजनीतिक आधार मुख्यतः सीमांचल और कोसी क्षेत्र में रहा है, वे स्वयं को गरीब और वंचितों की आवाज के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान राहत कार्यों के कारण भी उन्हें व्यापक चर्चा मिली। दूसरी ओर, उनके राजनीतिक जीवन के साथ कई आपराधिक मामले भी जुड़े रहे हैं। विभिन्न मामलों में उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज हुए और कुछ मामलों में उन्हें न्यायालयों का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले दोषी नहीं माना जाता। वर्ष 2015 में उन्होंने जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) का गठन किया। उद्देश्य था कि बिहार की पारंपरिक राजनीति का विकल्प प्रस्तुत करना लेकिन यह दल राज्य स्तर पर मजबूत संगठन, संसाधन और व्यापक सामाजिक गठबंधन विकसित नहीं कर सका। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय समीकरण और बड़े दलों में जद(यू), राजद, भाजपा और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही , ऐसे में जन अधिकार पार्टी को सीमित क्षेत्रों से आगे विस्तार नहीं मिल सका, यही कारण रहा कि अंततः उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। हाल के दिनों में संसद परिसर में पप्पू यादव ने विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर सांकेतिक नाट्य-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में वे गेरुआ वस्त्र पहनकर बैठे और राममंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। विपक्ष का कहना था कि यह सरकार से जवाब मांगने का प्रतीकात्मक विरोध था। वहीं, कई संतों, धार्मिक संगठनों और अन्य लोगों ने इसे सनातन का अपमान बताया तथा इस संबंध में पुलिस शिकायतें भी दर्ज कराई गईं। यह कहना कि केवल सनातन धर्म में ही चोरी या अनियमितता होती है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। किसी भी धर्म का मूल सिद्धांत नैतिकता, ईमानदारी और न्याय है लेकिन व्यवहारिक स्तर पर सभी समाज और धर्मों में कुछ व्यक्तियों द्वारा गलत कार्य किए जाने के उदाहरण मिलते हैं। चाहे वह हिंदू धार्मिक संस्थान हों, मुस्लिम वक्फ बोर्ड से जुड़े मामले हों, ईसाई मिशनरी संस्थाएँ हों या अन्य धार्मिक संगठन- वित्तीय अनियमितताओं के आरोप समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इसलिए किसी एक धर्म को विशेष रूप से निशाना बनाकर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना उचित नहीं माना जाता, यदि किसी धार्मिक संस्था में चंदे या दान के उपयोग को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका समाधान जांच, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक प्रदर्शन के आधार पर। सनातन धर्म में भगवा वस्त्र त्याग, तप, सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक माना जाता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों का उपयोग केवल राजनीतिक व्यंग्य या विरोध के लिए करता है तो अनेक श्रद्धालु इसे अनुचित मानते हैं। दूसरी ओर, लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक विरोध भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक माध्यम माना जाता है। इसलिए यह प्रश्न केवल धार्मिक नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा और राजनीतिक शालीनता से भी जुड़ा है, यदि किसी प्रदर्शन से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएँ आहत होने की आशंका हो तो सार्वजनिक जीवन में संयम बरतना अधिक उपयुक्त माना जाता है। वहीं, यदि किसी पक्ष को भ्रष्टाचार या अनियमितता का आरोप लगाना हो तो उसके लिए संसद में बहस, दस्तावेज, जांच और कानूनी प्रक्रिया अधिक प्रभावी और गरिमापूर्ण माध्यम माने जाते हैं।

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

कमल राम मेहता जीवन पर्यंत शिक्षा का अलख जगाते रहे थे

विजय केसरी

समाज सुधारक, शिक्षाविद कमल राम मेहता जीवन पर्यंत शिक्षा का अलख जगाते रहे थे । उनका संपूर्ण जीवन समाज सुधार, शिक्षा का प्रचार प्रसार व समाजोत्थान को समर्पित रहा था। उन्होंने अपने जीवन काल में शिक्षा और नव जागृति का जो दीप जलाया था,आज वह दीप दूरदराज गांवों में बहुत ही तेजी के साथ जलता दिखाई दे रहा है। वे एक साधारण कद काठी के व्यक्ति थे, लेकिन उनका कृतित्व असाधारण सिद्ध हुआ। एक शिक्षक को कैसा होना चाहिए? एक शिक्षक का अपने विद्यार्थियों के प्रति क्या दायित्व होना चाहिए? एक शिक्षक का समाज के प्रति क्या दायित्व होना चाहिए? उनके जीवन शिक्षकों को अनुकरण करने की जरूरत है। शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता होते हैं। इस बात को उन्होंने खुद के जीवन में चरितार्थ कर दिखाया था। उन्होंने शिक्षा दान के साथ समाज सुधारक की दिशा में जो कार्य किया सदैव याद किया जाता रहेगा। आज की बदली परिस्थिति में जहां एक ओर शिक्षा का पूरी तरह व्यवसायी कारण हो गया है,उसके विपरीत उन्होंने आजीवन निःशुल्क शिक्षा का दान कर अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया था।

उनका जन्म हजारीबाग जिला के करियातपुर पंचायत के अंतर्गत चंदा गांव के एक कृषक परिवार में जन्म हुआ था। उन्होंने अपने स्वाधीनता सेनानी पिता रामेश्वर महतो से प्रेरणा पाकर शिक्षा दान करने का संकल्प लिया था। उनकी शादी बहुत ही कम उम्र में स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय शंभू मेहता की पुत्री गिरिजा देवी से हुई थी। उन्होंने रांची विश्वविद्यालय से हिन्दी में स्नातकोत्तर किया था। वे छात्र जीवन से ही गांव में व्याप्त निर्धनता, अशिक्षा,अंधविश्वास आदि और रूढ़ियों के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे थे। वे चाहते तो कई अन्य सरकारी नौकरियों में जाते और अपना जीवन बहुत ही अच्छे तरीके से निर्वाह कर सकते थे। परंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया बल्कि गांव में ही रह कर एक शिक्षक के रूप में अपने जीवन की शुरूआत कर आजीवन शिक्षा का दान किया।

वे इस धरा पर 81 वर्षों तक रहे थे। वे इस उम्र में भी एक युवा की तरह क्रियाशील रहे। वे मृत्यु से पूर्व तक समाज की गतिविधियों, बैठकों आदि में व्यस्त रहे। हालांकि मृत्यु से कुछ महीने पूर्व बीमार जरूर पड़े थे, किन्तु बीमारी की हाल में भी उनकी सक्रियता कम नहीं हुई थी। उनके पिता रामेश्वर महतो देश के जाने-माने स्वाधीनता सेनानी थे। कमल राम मेहता को बचपन से ही अपने घर पर जिले के कई बड़े स्वाधीनता सेनानियों को देखने का अवसर मिला था। इस छोटी सी उम्र में स्वाधीनता सेनानी पिता एवं उनके कुछ मित्रों द्वारा कही गई बातों का कमल राम पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा था। कमल राम मेहता ने अपने संबोधन कहा था कि 'उस छोटी सी उम्र में बहुत सी बातें समझ में नहीं आती थी, लेकिन जैसे-जैसे उम्र और अनुभव बढ़ते गए, उनकी बातें समझ में आने लगी थी। वे बचपन से ही एक मेधावी छात्र रहे। वे हम उम्र बच्चों एवं बच्चियों को पढ़ाया करते थे। गांव में हाई स्कूल नहीं रहने के कारण उन्हें बड़ा दुःख होता था। गांव में हाई स्कूल नहीं रहने के कारण बहुत सारे बच्चे- बच्चियों की शिक्षा मिडिल से ऊपर नहीं हो पाती थी । उन्होंने छात्र जीवन में ही संकल्प ले लिया था कि गांव में हाई स्कूल की स्थापना एक दिन जरूर करेंगे। कमल राम को बचपन से ही पढ़ने और पढ़ाने का शौक था।

देश की आजादी के बाद पिता रामेश्वर महतो का सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के कारण छात्र जीवन में ही उनके कंधों पर घर की जवाबदेही आ गई थी। कमल राम मेहता ने इस जवाबदेही को सहर्ष स्वीकार किया। वे खेती किसानी करते हुए भी अपनी पढ़ाई जारी रखे थे। 1958 में मैट्रिक पास करने के पश्चात वे आदर्श मध्य विद्यालय में सहायक शिक्षक बन गए। उन्होंने सहायक शिक्षक बनने के बाद भी खेती किसानी से कभी कदम पीछे नहीं हटाया बल्कि एक शिक्षक और किसान की दोहरी भूमिका को बखूबी निभाया। ये दोनों भूमिका निभाते हुए जो समय मिलता, समाज में व्याप्त कुरीति, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और दहेज प्रथा को जड़ से समाप्त करने में लगा देते। वे विद्यालय छुट्टी के दिन का पूरा का पूरा समय सामाजिक बैठकों में लगाते। समाज में व्याप्त दहेज प्रथा जैसी कुरीति को मिटाने के लिए उन्होंने असंख्य बैठकें की। परिणामस्वरूप इन बैठकों का समाज में बहुत ही अनुकूल प्रभाव पड़ा। फलतः इन्होंने सैकड़ों शादियां बिना दहेज की पर करवाई। इसी बीच इनका स्थानांतरण पदमा प्रखंड के नावाडीह विद्यालय में हो गया हो गया। वे प्रतिदिन पैतृक गांव चंदा से नावाडीह विद्यालय, लगभग साठ किलोमीटर साइकिल से आना-जाना करते थे। लेकिन कमल राम के कदम पीछे हटे नहीं। वे नावाडीह विद्यालय में रहकर दलित, वंचित वर्ग के बच्चों को स्कूल में विशेष रूप से दाखिल किया करते थे। इन बच्चों को पढ़ाने में उनकी भूमिका आज भी याद की जाती है। वे अगल - बगल के गांव में घूम - घूम कर बच्चों को स्कूल में दाखिला देने का काम किया करते थे। वे स्कूल में रहते हुए समाजिक कार्यों को कभी छोड़े नहीं। इनसे जितना बन पड़ता, समाज सेवा जरूर करते। कमल राम मेहता ने कई बार अपनी पूरी तनख्वाह गरीबों के बीच वितरण कर दिया था। साथ ही वे अपने घर से भी गरीबों के बीच अनाज वितरण किया करते थे। ताकि कोई भूख से मरे नहीं।

1978 में उन्होंने अपने पिता रामेश्वर महतो के साथ मिलकर ग्राम चंदा में रामेश्वर महतो उच्च विद्यालय की स्थापना की। इस निमित्त उन्होंने अपने पारिवारिक हिस्से पांच एकड़ जमीन भी दान किया था। 1981 में उक्त उच्च विद्यालय का सरकारी करण के पश्चात वे इस स्कूल के प्रिंसिपल बन गए। स्कूल से प्राप्त होने वाले वेतन को बच्चों की शिक्षा और समाजोत्थान में खर्च कर दिया करते थे। वे सेवानिवृत्ति के पूर्व तक इस स्कूल के प्राचार्य रहे थे। इस स्कूल का प्राचार्य रहते हुए उन्होंने इचाक प्रखंड को एक शिक्षा हब में परिवर्तित कर दिया। इसके लिए उन्होंने दिन रात एक कर दिया। फलस्वरूप इचाक प्रखंड में दर्जन भर से अधिक छोटे बड़े स्कूल चल रहे हैं। उनके प्रयास से ही प्रखंड में कॉलेज की भी स्थापना हो गई।

कमल राम मेहता प्रारंभ से ही स्त्री शिक्षा के पक्षधर रहे। उनका मानना था कि 'बिना स्त्री शिक्षा के समाज में नवजागरण आ नहीं सकता।' इसलिए उन्होंने लड़कियों की शिक्षा के लिए घर घर जाकर लड़कियों को स्कूल में दाखिला किया। लड़कियों के अभिभावकों से बार-बार मिलना। लड़कियों की शिक्षा के प्रति अभिभावकों समझना। उनके इस कार्य से कई ग्रामवासी नाराज भी हो गए थे। कई ग्रामीण वासी उनकी आलोचना भी किया करते थे। कई अभिभावक उनके मुंह पर ही कई तरह की बातें कह दिया करते थे। लेकिन वे अभिभावकों की बातों को अनसुना कर अपने काम में नियमित रूप से जूटे रहते। फलस्वरुप इचाक प्रखंड में जो लड़कियों के शिक्षित होने का परिणाम देखने को मिल रहा है, इसमें कमल राम मेहता की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। कमल राम मेहता के दो पुत्र। उन्होंने अपने दोनों पुत्रों क्रमशः कालेश्वर प्रसाद मेहता और हृदयांशु कुमार की शादी बिना तिलक दहेज के कर अपने समाज में एक मिसाल कायम की। उन्होंने अपनी चारों बच्चियों को उच्च शिक्षा प्रदान किया। उन्होंने अपने छोटे भाई झारखंड स्वाधीनता सेनानी विचार मंच के अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता को भी उच्च शिक्षा प्रदान कर प्रांत का एक प्रमुख नेता बनने का मार्ग प्रशस्त किया था।

सूडोकु नवताल- 7875

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7874 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

संसद परिसर में स्वांग प्रकरणः सभ्यों से बनती है सभा, उच्यते सभासु

हृदयनारायण दीक्षित

संसद देशकाल का दर्पण होती है। अपनी संसद डेढ़ अरब लोगों की भाग्य विधाता है। संसद के पास नए कानून बनाने की क्षमता के साथ संविधान संशोधन के भी अधिकार हैं। भारत में विचार-विमर्श की परंपरा है ही। वेदों में भी साथ साथ चलने और परामर्श करने के मंत्र हैं। संसद आदर योग्य है। संसदीय व्यवस्था का कोई विकल्प नहीं। संसद अपने सदस्यों से बनती है। सदस्यों द्वारा आदर पाती है। यह सर्वोच्च जनप्रतिनिधि संस्था है। लेकिन पीछे कुछ वर्षों से संसद की गरिमा और महिमा को अपमानित किया जा रहा है। जान पड़ता है कि शब्दों का अकाल है। जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चलने वाली फिल्में गाली-गलौच और हिंसा से लबालब भरी होती हैं। वैसे ही दुर्भाग्य से हमारी संसद में वाणी संयम नहीं है। मर्यादा का अभाव है।

वैदिक काल परिपूर्ण संसदीय था। लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप ने लिखा, "भारत में वैदिक युग से ही गणतांत्रिक स्वरूप, प्रतिनिधित्व विचार विमर्श और स्थानीय स्वशासन की संस्थाएँ थीं। ऋग्वेद, अथर्ववेद में सभा समिति के उल्लेख हैं। ऐतरेय ब्राह्मण, पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र, महाभारत और अशोक स्तम्भों, जैन पाठ्यों में उत्तर वैदिक काल के गणतंत्रों के उल्लेख हैं।"

सभा सभ्यों से ही बनती है। ऋग्वेद (ऋ 6.28.6) कहता है, "पहले हम घर को भद्र बनाएँ-भद्रं गृहं कृणुथ, वाणी भद्र बनाएँ-भद्रवाचो, सभा में भद्र आचरण हो-उच्यते सभासु।" लेकिन आज निजी जीवन में अपराध है। मानसतंत्र में क्रोध और तनाव है, ऐसे माननीयों से सभा में अमृत घट लुढ़काने की उम्मीदें करना व्यर्थ है। अथर्ववेद (8.10) में सभ्यता और सामाजिक संस्थाओं के विकास का प्रीतिकर वर्णन है, "अराजक से उत्क्रान्ति हुई, गार्हपत्य (परिवार) आया। गार्हपत्य से आहवनीय (आह्वान से जनसंगठन) फिर दक्षिणाग्नि (योग्य, अग्रणी) और इसके बाद सभा समिति का विकास हुआ।" अथर्वा कहते हैं, "जो यह जानता है वह सभा का सभ्य बनता है।" सभ्य सभा और सभ्य सभासदों (सभ्य सभा में पाहि ये च सभ्याः सभासद) की प्रार्थना हजारों बरस प्राचीन अथर्ववेद में भी है।

भारत के संविधान निर्माताओं ने गहन विचार-विमर्श के बाद ब्रिटिश तर्ज की संसदीय प्रणाली अपनाई। भारत के लिए संसदीय पद्धति का कोई विकल्प नहीं था और न है। भारत का लोकजीवन सनातन काल से संसदीय है। तर्क-प्रतितर्क विचार-विमर्श यहाँ के जन-जन की जीवन शैली है। संसद भारत के कोटि-कोटि लोगों की जीवन स्पंदन है। आमजनों के हर्ष-विषाद, अभाव, प्रभाव और दुष्प्रभाव, राग, द्वेष, रोष की अभिव्यक्ति का केन्द्र है। संसद देशकाल का मुख है। सनातन-अधुनातन का मिलन-क्षितिज है। विभिन्न भाषा-भाषी, मत-मजहब आस्था के लोग यहाँ एक जन, एक संस्कृति और एक राष्ट्र के रूप में समवेत होते हैं।

जनप्रतिनिधि के नाते वे अपने-अपने क्षेत्रों के दुख-सुख के प्रवक्ता हैं और एकजुट एकात्म भाव से राष्ट्र के गति नियंता। इसीलिए वे मान्यवर हैं, इसी वजह से उन्हें विशेषाधिकार है। उनके हावभाव, रूपरंग से राष्ट्र को अभिव्यक्ति मिलती है। डेढ़ अरब से अधिक भारतजन अपने भविष्य के लिए संसद की तरफ टकटकी लगाए देखते हैं लेकिन संसद उन्हें निराश करती है, हताश करती है, राजनीति के प्रति घृणाभाव देती है।

ये अठारहवीं लोकसभा है। इसके दृश्य लोकतंत्र के लिए डरावने हैं। एक-एक घटना का विवेचन और विश्लेषण इस छोटे से आलेख में रख पाना असंभव है। जान पड़ता है कि सदस्यों के पास अपनी भाषा के मर्यादित शब्दों का अभाव हो गया है। सदस्य अपनी बात चिल्ला कर ही कहते हैं। संसद के भीतर अनुशासन बनाए रखने की समस्या बड़ी है। अध्यक्ष नियंत्रण की कोशिश करते हैं लेकिन कामयाबी नहीं मिलती। संसद के परिसर में भी मयार्दा का संकट है। संसदीय पद्धति के अनुसार पूरे परिसर में अध्यक्ष का नियंत्रण रहता है। सदस्यों ने परिसर का दुरुपयोग कभी नहीं किया लेकिन बीते शुक्रवार को परिसर में जो नौटंकी हुई, उससे सारी दुनिया में देश की बदनामी हुई है। माननीय सदस्यों ने श्रीराम जन्मभूमि के वर्तमान विवाद का स्वांग बनाया है। करोड़ों भारतवासियों की आस्था पर सीधे हमला बोला। संत परंपरा का अपमान किया। एक सांसद ने साधु का वेश बना कर दान लेने और लेकर भाग जाने का नाटक किया। अयोध्या से सांसद ने भी इस ड्रामे में हिस्सा लिया। उन्होंने साधुवेश वाले कथित चोर को दौड़ाया। इसके पहले अनेक सांसदों ने दान देने का नाटक किया। संसद और संसदीय शिष्टाचार की गरिमा तार-तार हो गई।

राष्ट्र स्तब्ध और सन्न है। संविधान निमार्ताओं ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि हमारे सांसद ही भारतीय संस्कृति और परम्परा का अपमान करेंगे। संविधान की मुख्य धारा सांस्कृतिक है। भारतीय संस्कृति एक सतत संगीत है। कह सकते हैं एक वीणा। वीणा के तार संघर्षण से बजते हैं। स्वर से स्वर नहीं आते। बांसुरी में स्वर से स्वर निकलते हैं। तब संगीत आता है। वीणा वाद्य यंत्र है। यहाँ संघर्षण और छेड़खानी ही संगीत देती है। भारतीय संस्कृति एक वीणा है। भारत ने इसीलिए ज्ञान, वाणी और विद्या की देवी सरस्वती के हाथ में वीणा पकड़ाई। वीणा प्रतीक है संघर्षन में संगीत की खोज का। सतत खोजी, सदा आनन्द अभीप्सु सनातन तार्किक, निरंतर लोकतंत्रीय-भारत की यही प्रकृति संस्कृति कहलाती है।

ध्यान रहे व्यक्ति की तरह देश के भी वैशिष्ट्य होते हैं। व्यक्ति के वैशिष्ट्य व्यक्ति का व्यक्तित्व बनते हैं। राष्ट्र के वैशिष्ट्य राष्ट्र का राष्ट्रीयत्व बनते हैं।

दैनिक पंचांग

3 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.36 बजे से
चंद्र	मीन में	कन्या	08.48 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.59 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.13 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.29 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.35 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.24 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	00.04 बजे से
		मिथुन	02.03 बजे से
		कर्क	04.16 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 215 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 22.55 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 22.01 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 21.14 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.09 बजे तदनन्तर तैतिल 22.55 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 33' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872790 **जूलियन दिन** 2461255.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 19 **विशेष** मौना पंचमी, श्रावण सोमवार व्रत, डॉ. मैथिली शरण गुप्त जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

तीनपहाड़ पुलिस ने गैर जमानती वारंटी को किया गिरफ्तार

साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़ थाना पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत एक गैर जमानती वारंटी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि माननीय न्यायालय, राजमहल द्वारा निर्गत जी.आर. संख्या 752/15 के गैर जमानती वारंट के आधार पर कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस ने बड़ा दुगार्पुर निवासी मोतीलाल ठाकुर उर्फ मोतिया को विधिवत गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि जिले में लंबे समय से लंबित वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए समकालीन अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

पाकुड़िया हत्याकांड के पांच फरार आरोपियों के घर इश्तिहार चस्पा

पाकुड़ : जिले के पाकुड़िया थाना कांड संख्या 02/2026 में फरार चल रहे हत्या के पांच आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इश्तिहार तामील की कार्रवाई की। सभी आरोपियों के पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले स्थित आवासों पर नलहटी थाना पुलिस की उपस्थिति में विधिवत इश्तिहार चस्पा किया गया। अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक राम प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान फरार आरोपियों नईमुद्दीन मौला (पिता- खोसजन मौला, ग्राम हरियोका/पत्थर चाली), जाहिर शेख उर्फ जहीरुद्दीन मंडल (पिता- लालचंद मंडल), खैरुल शेख (पिता- निपेल शेख), निपेल शेख (पिता- हारेज शेख) तथा इकबाल (पिता- सलाम शेख), सभी निवासी ग्राम गोविंदपुर, थाना नलहटी, जिला बीरभूम (पश्चिम बंगाल) के घरों पर इश्तिहार चस्पा कर न्यायालय की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपी हत्या के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे हैं। न्यायालय के निर्देशानुसार इश्तिहार तामील की कार्रवाई की गई है। निर्धारित अवधि के भीतर आरोपियों द्वारा आत्मसमर्पण नहीं किए जाने की स्थिति में उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती सहित आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने तीन आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: जिले के राधानगर थाना पुलिस ने बीते शनिवार की रात्रि को थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर अलग-अलग मामलों में तीन आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपित को पुलिस ने रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने जानकारी देते हुए बताया कि राधानगर थाना कांड संख्या 275/26 के प्राथमिकी आरोपित खासपुरा निवासी इसराइल शेख को गिरफ्तार किया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वहीं राधानगर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मनिहारी टोला में छापेमारी कर पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जीआर नंबर 473/22 के तहत एनबीडब्ल्यू वारंटी मनिहारी टोला निवासी निमाई मंडल एवं उनकी पत्नी प्रतिमा देवी को गिरफ्तार किया गया है।

इवनिंग वॉक कर रहे युवक को सर्पदंश से मूर्छित

साहिबगंज: जिले के तालझारी स्टेशन के पास स्थित बेलदारचक के सत्यम कुमार चौरसिया (30) बीते शनिवार की शाम मिशन मैदान में इवनिंग वॉक कर रहा था उसी दौरान जहरीले सांप ने उक्त युवक को काट लिया जिससे वह मूर्छित होने लगा। जिसके बाद आनन-फानन में परिजनों ने उक्त युवक को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल लाया गया। वही ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर ने तुरंत भर्ती कर इलाज में लग गए,जहां उनका इलाज चल रहा है।

पाकुड़ में ब्राउन शुगर तस्करी का भंडाफोड़ 30 ग्राम मादक पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले की पाकुड़ पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनिरामपुर गांव में छापेमारी कर ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके घर से ब्राउन शुगर, नकदी, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, मोबाइल फोन समेत कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए हैं। मामले में दो अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को 1 अगस्त को सूचना मिली थी कि मनिरामपुर निवासी सत्तार शेख अपने घर से अवैध रूप से ब्राउन शुगर एवं अन्य मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई के लिए एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल (एसआईटी) का गठन किया गया। दंडाधिकारी की मौजूदगी में जब पुलिस टीम सत्तार शेख के घर पहुंची तो वहां कुछ लोग नशीले पदार्थ का सेवन करते मिले। पुलिस को देखते ही वे मौके से फरार हो गए, जबकि सत्तार शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके घर से 30 पुड़िया में पैक 6 ग्राम ब्राउन शुगर, 24 ग्राम गीला ब्राउन शुगर, 2,200 रुपये नकद, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, ब्राउन शुगर सेवन में प्रयुक्त उपकरण, छह बंडल प्लास्टिक पाउच, वीवो कंपनी का स्मार्टफोन तथा एक बंडल एल्युमिनियम फॉयल बरामद किया गया। इस संबंध में मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 104/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 111 तथा एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ए) एवं 22(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार इस मामले में बेलाल शेख एवं अब्दुल रौफ, दोनों निवासी चांदपुर, थाना शमशेरगंज (जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल) की संलिप्तता सामने आई है। दोनों फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी ने कहा कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

अमड़ापाड़ा से अपहृत नाबालिग लड़की सकुशल बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र से अपहृत एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। यह जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महेशपुर विजय कुमार द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई। जानकारी के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के जमरी गांव की एक लड़की का तीन अज्ञात लोगों ने मोटरसाइकिल से अपहरण कर लिया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर अमड़ापाड़ा थाना कांड संख्या 59/2026, दिनांक 28 जुलाई 2026, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(1)/3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महेशपुर के नेतृत्व में विशेष एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया तथा इस मामले में तीन आरोपियों हिरालाल डुडू (21 वर्ष), सुरेश हेंब्रम (28 वर्ष) एवं राजेश मरांडी (27 वर्ष) को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी गोड्डा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी हैं।

राधानगर पुलिस ने 1.90 ग्राम एमडीएमए के साथ एक युवक को पकड़ा, भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री और सेवन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 1.90 ग्राम अवैध नशीले पदार्थ एमडीएमए के साथ एक तस्कर को रंगे हाथों धर दबोचा। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज के लिखित आवेदन के आधार पर राधानगर थाने में कांड संख्या 277/26, दिनांक 02/08/2026 के तहत (एनडीपीएस एक्ट 1985) की धारा 21 और 27 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस क्षेत्र में सक्रिय इस अवैध ड्रग्स नेटवर्क के तारों को खंगालने में जुट गई है।मामले में नामजद

अभियुक्त की पहचान निमायटोला निवासी अबुसमा शेख उर्फ गणेश शेख (पिता- सौदागर शेख) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से बरामद प्रतिबंधित एमडीएमए को जप्त कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से गहन पूछताछ की और कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इलाके में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा और इस धंधे में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए अनुसंधान जारी है।

अधूरा पड़ा नाला निर्माण, बड़े हादसे को दे रहा आमंत्रण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के मंडरो प्रखंड के मिर्जाचौकी बाजार स्थित चैती दुर्गा मंदिर के समीप नाला निर्माण कार्य संवेदक की कथित लापरवाही के कारण पिछले 20-25 दिनों से अधूरा पड़ा हुआ है। निर्माण कार्य बीच में छोड़ दिए जाने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। ग्रामीण मुनिन्द्र जायसवाल एवं चंदन पंडित ने बताया कि संवेदक द्वारा नाला की खुदाई तो कर दी गई, लेकिन उसके बाद निर्माण कार्य बंद कर दिया गया। नाले में सरिया खुले रूप में खड़ा है और गड्ढे में गंदा व सड़ा हुआ पानी जमा होने से आसपास दुर्गंध फैल रही है, जिससे लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधूरे नाले के कारण अब तक एक-दो लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं। यह नाला मुख्य सड़क के किनारे स्थित होने के कारण यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में राहगीरों और वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संवेदक द्वारा कार्य शुरू कर उसे अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने संबंधित विभाग से अविलंब निर्माण कार्य पूरा कराने, सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग कराने तथा खुले गड्ढे और सरिया को तत्काल सुरक्षित कराने की मांग की है, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

रेलखंड पर ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल के कोटालपोखर-तिलभिट्टा रेलवे ट्रैक पर रविवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पोल संख्या 161/30 के समीप हुई, जिससे क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पाकुड़ आरपीएफ इंस्पेक्टर कुलदीप यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही आरपीएफ टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के बगदाबरा निवासी अशोक कुमार के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, आरपीएफ और स्थानीय प्रशासन की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस मृतक की शिनाख्त सुनिश्चित करने और परिजनों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि पहचान की औपचारिक पुष्टि और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

तीनपहाड़ में रेल समस्याओं को लेकर संघर्ष समिति की हुई बैठक, मांगें नहीं मानीं तो होगा उग्र आंदोलन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तीनपहाड़ क्षेत्रीय विकास संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को बाबूपाड़ा स्थित विवाह भवन में आयोजित की गई। बैठक में तीनपहाड़ क्षेत्र की लंबित रेल समस्याओं पर चर्चा की गई और मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई। समिति के सदस्यों ने रेलवे अधिकारियों पर रोष जताते हुए कहा कि बीते माह तीनपहाड़ में धरना प्रदर्शन के बाद स्थानीय विधायक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मालदा मंडल के डीआरएम एवं अन्य अधिकारियों से उनके कार्यालय में मिला था। उस दौरान तीनपहाड़ अंडरपास का जल्द निरीक्षण कराने और कई ट्रेनों

के ठहराव सहित विभिन्न मांगों को लेकर अधिकारियों ने सकारात्मक भरोसा दिया था। लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी एक भी मांग पूरी नहीं की गई है। बैठक में आगे की रणनीति तय की गई। तय हुआ कि अब स्थानीय विधायक के नेतृत्व में रेलवे अधिकारियों से अब तक मांगों की प्रगति की जानकारी ली जाएगी। समिति ने कहा कि यदि मांगे शीघ्र पूरी नहीं की जाती हैं, तो संघर्ष समिति भूख हड़ताल से लेकर उग्र आंदोलन करेगी। बैठक में जिप सदस्य रणधीर सिंह, अनिल सरकार, नाजिम लड्डू, मुर्शिद राजा, अमरेंद्र सिंह, रामजन्म सिंह, आफताब, उत्तम महतो, मो. वकार, संजय महतो, अभय सिंह, आकाश टींकू, संजय चौधरी, हरि मंडल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पुराना डीसी चौक पर स्थापित हो रही दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा, कल होगा अनावरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 4 अगस्त को पाकुड़ के पुराना डीसी चौक पर उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। इसे लेकर रविवार को प्रतिमा स्थापना का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया। प्रतिमा स्थापना की तैयारियां झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम की देखरेख में कराई जा रही हैं। झामुमो नेताओं ने बताया कि 4

अगस्त को आयोजित होने वाले अनावरण एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्य सरकार के कई मंत्री, राजमहल सांसद विजय हांसदा, झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा, महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर संगठन की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं ताकि बड़ी संख्या में आने वाले कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। प्रतिमा स्थापना के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी ने भी स्थल का जायजा लिया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य उमर फारूक, बुद्धिजीवी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रकाश सिंह, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुसलोद्दीन शेख सहित पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। झामुमो नेताओं ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का झारखंड आंदोलन और राज्य के सामाजिक-राजनीतिक विकास में योगदान अविस्मरणीय है। उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम उनके संघर्ष, विचारों और जनसेवा के प्रति सम्मान एवं श्रद्धांजलि का प्रतीक होगा।

संक्षिप्त खबरें

महेशपुर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान 30 लोगों को नि:शुल्क हेलमेट वितरित

पाकुड़ : जिले के महेशपुर प्रखण्ड में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को महेशपुर के सोनारपाड़ा मुख्य सड़क स्थित चापगांव गुड़ गोदाम के समीप लायंस क्लब ऑफ मुरारई की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं नि:शुल्क हेलमेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महेशपुर थाना प्रभारी रवि शर्मा ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी रवि शर्मा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अधिकांश मौतें लापरवाही के कारण होती हैं। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है, इसलिए थोड़ी सी सावधानी बड़ी दुर्घटना से बचा सकती है। लायंस क्लब ऑफ मुरारई के सदस्यों ने भी सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से हमेशा हेलमेट पहनने और अपने परिवार के सदस्यों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ 30 दोपहिया वाहन चालकों के बीच नि:शुल्क हेलमेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में लायंस क्लब ऑफ मुरारोई दिलीप पिपरा, मेहदी हसन, शाह आलम मलिता, मुकेश अग्रवाल, पुष्पेंदु दास, हेमंत दत्ता, सुदीप्तो दत्ता, रामकृष्ण दत्ता, प्राण कृष्ण मंडल, अनुपम झा, राहिबुल शेख सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

पाकुड़ पुलिस ने दो मामलों में दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले के पाकुड़ पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पाकुड़ मुफस्सिल थाना कांड संख्या 99/26 से जुड़े सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपित मिमासाद शेख (पिता- कयूम शेख), निवासी रणडांगा, थाना पाकुड़ मुफस्सिल को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं, अवैध खनन (माइनिंग) से संबंधित मामले में माननीय न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आलोक में पुलिस ने जमीर शेख (पिता- मजीद शेख), निवासी चंद्रपाड़ा, थाना पाकुड़ मुफस्सिल को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे भी न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई नियमानुसार जारी है।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज: मेरा युवा भारत साहिबगंज के तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय, में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करते हुए विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार एवं सुबोध कुमार झा थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सौरभ पाण्डेय, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि नशा युवाओं की प्रतिभा और भविष्य दोनों को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशामुक्त जीवन अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं से जुड़े और उन्हें नशा मुक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक संबोधन को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बड़े उत्साह के साथ सुना। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच नृत्य, भाषण एवं गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

राजमहल उत्तरवाहिनी गंगा तट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

साहिबगंज: बांग्ला पंचांग के अनुसार तीसरे और हिंदी पंचांग के अनुसार प्रथम सोमवारी को लेकर राजमहल के उत्तरवाहिनी गंगा तट स्थित सूर्य देव घाट परिसर में रविवार को आस्था और भक्ति के रंग में डूबा नजर आया।शनिवार देर रात से ही यहां श्रद्धालु और कांवरियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। पश्चिम बंगाल के मालदा जिला सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे महिला-पुरुष कांवरिया शिव भक्ति में लीन नजर आए। भगवा वस्त्रों में सजे कांवरियों की कतार, गूंजते शिव जयकारे और सेवा में जुटे समिति के कार्यकताओं के कारण उत्तरवाहिनी गंगा तट का पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। आस्था, भक्ति और सेवा के इस संगम ने राजमहल में श्रावणी उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। भक्ति गीतों और शिव भजनों की मधुर धुन पर कांवरिया देर रात तक झूमते रहे। पूरा घाट परिसर बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। रविवार की अहले सुबह श्रद्धालुओं ने पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

एक नजर

विषधर सांप के डसने से गर्भवती महिला की हुई मौत

गोड्डा : जहरीला सांप के काटने से गर्भवती महिला की इलाज के दौरान सदर अस्पताल मौत हो गई। घटना पथरगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत पथरकानी गांव की है। घरवालों के अनुसार उनकी बेटी बीस वर्षीया युवती मीरा मुर्मू बीते शनिवार की संध्या घर पर जलावन का लकड़ी निकाल रही थी इसी क्रम में किसी जहरीले सांप ने उसे डस लिया। जिससे बेटी मूर्छित होने लगी घरवालों को इसकी जानकारी होने पर तत्काल युवती को अर्धबेहोशी की हालत में सदर अस्पताल ले जाया गया जिसका इलाज किया जा रहा था मगर ईलाज के क्रम में रविवार को उसकी मौत हो गई। पहली बार युवती मां बनने वाली थी। युवती के साथ उसके चार माह के गर्भस्थ शिशु की भी मौत हो गई। शादी के बाद गर्भवती होने पर युवती मायके में ही रह रही थी। बेटी के असामयिक मौत पर परिजनों में शोक व्याप्त है। सर्पदंश से हर वर्ष कई लोगों की असमय मौत हो जाती है। खासकर बरसात में ग्रामीण अंचलों में यह ज्यादा देखने को मिलता है। जब खेत खलिहान में बारिश का पानी फैल जाता है और बिल में पानी भर जाता है तो सांप खेतो से निकलकर घरों में प्रवेश कर जाते है और लोग शिकार बनते है। सर्पदंश के शिकार हुए व्यक्ति को बिना समय गंवाए तत्काल अस्पताल में लाए जाने पर ही उसका सटीक इलाज अस्पताल में संभव है।

धरना प्रदर्शन के बाद मजदूरों के स्थानांतरण आदेश को कंपनी ने किया निरस्त

ललमटिया : कोयला ढुलाई कार्य में लगी प्राइवेट कंपनी मोंटी कार्लो द्वारा ठेका मजदूरों का किये गए स्थानांतरण आदेश को तत्काल प्रभाव से3 निरस्त कर दिया गया है। स्थानांतरण आदेश के खिलाफ ठेका मजदूरों द्वारा धरना प्रदर्शन कर रहे थे जिससे खनन कार्य बाधित हो गया था। राजमहल परियोजना के अंतर्गत मोंटे कार्लो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर हुरासी प्रोजेक्ट में कोयला खनन का कार्य कर रही थी जिसमें 01 अगस्त को कंपनी द्वारा कार्यरत 24 ठेका मजदूरों को पंजाब स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके विरोध में 24 ठेका मजदूर द्वारा लगातार धरना–प्रदर्शन एवं सड़क जाम किए जाने के बाद कंपनी प्रबंधन ने श्रमिकों को पुन स्थानीय स्तर पर काम पर पूर्ववत रखने का आश्वासन दिया है। कंपनी अधिकारी बीके सिंह एवं अपूर्व मालाकार ने ठेका मजदूर मनोहर हांसदा एवं अन्य के नाम पत्र प्रेषित कर तत्काल समस्या का समाधान निकाला है। पत्र में कंपनी के द्वारा बताया गया है कि तत्काल सभी मजदूरों का स्थानांतरण निरस्त कर दिया गया है। एक अगस्त से ही मोंटे कार्लो कंपनी के द्वारा स्थानांतरित श्रमिकों को वेतन का भुगतान किया जाएगा। 9 सितंबर 2026 को मोंटे कार्लो कंपनी के इंचार्ज एवं श्रमिकों के बीच बैठक कर वेतन संबंधी एवं अन्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस आदेश के बाद मजदूरों ने संतोष जाहिर किया है।

पहली सोमवारी: चास-बोकारो के सभी शिवालय सज-धज कर तैयार, श्रद्धालुओं के प्रवेश-निर्गमन की विशेष व्यवस्थाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सावन की पहली सोमवारी के अवसर पर चास और बोकारो के सभी प्रमुख शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया-रंगोरा कर पूजा के लिये तैयार किया गया है। नगर की विभिन्न मंदिर समितियों ने रविवार को सुबह से ही रंग-रोगन, सफाई और प्रसाद व्यवस्था पूर्ण कर ली है ताकि सोमवार को उमड़ने वाली भीड़ को सुव्यवस्थित रूप से सुविधा दी जा सके।

मंदिरों में सुबह होते ही श्रद्धालुओं का तांता लगने की संभावना को देखते हुए समितियों ने विशेष इंतजाम किए हैं। सेक्टर-4ऋस्थित सूर्य मंदिर प्रांगण में स्थापित शिवलिंग पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक हवन में भाग लेंगे। इसके अलावा सेक्टर-4ऊ आशुतोष शिवमंदिर, सेक्टर-4ॠ शिवमंदिर, सेक्टर-5 शिवालय, सेक्टर-6 शिवमंदिर, सेक्टर-2ऊ शिवालय व थाना मोड़ सेक्टर-3 शिवमंदिर समेत कई स्थानों पर हजारों की संख्या में भक्तों के जलाभिषेक का अनुमान है।

नगर के प्रमुख शिवालयों–सेक्टर-1 राम मंदिर, सेक्टर-9 नवनाथ शिव मंदिर, सेक्टर-5 शिवालय, चिरा-चास का शिव मंदिर, सेक्टर-4ऊ स्थित ओंकारनाथ शिव मंदिर तथा चेक पोस्ट चास स्थित शिवालय प्रांगण को विशेष रूप से सजाया गया है। महिलाएँ इस दिन उपवास रखकर दिन भर भगवान की आराधना करती हैं, और शिवलिंग पर जलाभिषेक का विशेष महत्व रहता है।

भीड़ प्रबंधन के तहत मंदिर समितियों ने एक तरफ से श्रद्धालुओं के प्रवेश व दूसरी तरफ से निर्गमन की व्यवस्था कराई है, जिससे भीड़ नियंत्रण और पूजा की सुगमता सुनिश्चित हो सके। सेक्टर-8 के कालीबाड़ी शिवमंदिर में भी महाशिवरात्रि स्तर की भीड़ को देखते हुए विशेष दिशा-निर्देश और प्रवेश-निष्कासन मार्गों का बंदोबस्त किया गया है। समितियों ने आवश्यक प्रसाद, बैठने की व्यवस्था तथा प्राथमिक चिकित्सा एवं साफ-सफाई के इंतजाम भी किए हैं।

पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने भी मंदिरों के आस-पास यातायात और सुरक्षा व्यवस्थाएँ सुदृढ़ रखने का आश्वासन दिया है। श्रद्धालुगण नियमों का पालन करते हुए पूजा में भाग लें, समिति ने साफ-साफ निर्देश दिये हैं।

रौनियार वैश्य समाज के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों का सम्मान समारोह संपन्न

समाज की एकजुटता पर दिया गया जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रविवार को नया मोड़ स्थित बिरसा आश्रम में रौनियार वैश्य समाज, बोकारो जिला के नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों के सम्मान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण प्रसाद गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव प्रसाद साहू तथा प्रदेश महासचिव बैजनाथ प्रसाद गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समारोह में समाज के मुख्य संरक्षक बी.पी. गुप्ता, सतीश साह, किशोरी मोहन, जे.पी. लाल, ललित मोहन, यमुना प्रसाद तथा पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण प्रसाद गुप्ता ने कहा कि रौनियार वैश्य समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता और संगठन है। समाज के सभी लोगों को आपसी सहयोग, शिक्षा, सामाजिक सेवा और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों से संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने तथा समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष श्याम बाबू गुप्ता ने कहा कि समाज ने जिस विश्वास के साथ नई टीम को जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाया जाएगा तथा शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, युवाओं की भागीदारी और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

इस अवसर पर रौनियार वैश्य समाज, बोकारो जिला के नवनियुक्त पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों में जिला अध्यक्ष श्याम बाबू गुप्ता, उपाध्यक्ष रविन्द साह, महासचिव राजू मोहन, सचिव प्रेम कुमार गुप्ता एवं विजय कुमार गुप्ता, उप सचिव नगीना प्रसाद और संजय गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद्र गुप्ता शामिल हैं।

वक्ताओं ने नवगठित जिला टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाज की एकता, संगठन की मजबूती और सामाजिक विकास के लिए मिल-जुलकर कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों एवं समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

सुधीर सिंह बने आजसू पार्टी बोकारो महानगर अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आजसू पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा संगठन के विस्तार एवं मजबूती के उद्देश्य से श्री सुधीर सिंह को आजसू पार्टी, बोकारो महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

इस अवसर पर आजसू पार्टी के बोकारो जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने नवमनोनीत महानगर अध्यक्ष श्री सुधीर सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे लंबे समय से संगठन के समर्पित, कर्मठ एवं संघर्षशील कार्यकर्ता रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता एवं जनसंपर्क का लाभ निश्चित रूप से पार्टी को मिलेगा तथा उनके नेतृत्व में बोकारो महानगर संगठन और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनेगा।

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव संजय चक्रवर्ती ने कहा कि पार्टी हमेशा जमीनी कार्यकताओं को सम्मान एवं जिम्मेदारी देने में विश्वास रखती है। श्री सुधीर सिंह के नेतृत्व में महानगर संगठन नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा तथा पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और जनहित के मुद्दों को आम जनता तक प्रभावी ढंग से जनता के बीच पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जिला प्रभारी कमलेश महतो ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्रीय अध्यक्ष श्री सुदेश कुमार महतो के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में श्री सुधीर सिंह संगठन को नई दिशा और गति प्रदान करेंगे तथा आगामी संगठनात्मक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने श्री सुधीर सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल, सक्रिय एवं जनोन्मुखी कार्यकाल की कामना की।

योग सेवा केंद्र का 22 वां स्थापना दिवस मनाया गया, सांसद ने सराहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास स्थित राम रूद्र हाई स्कूल परिसर में रविवार को योग सेवा केंद्र का 22वां स्थापना दिवस निःशुल्क सेवा का उत्सव के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद ढुल्लू महतो उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि योग सेवा केंद्र द्वारा वर्षों से लोगों को निःशुल्क योग प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, जो समाज के लिए अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ जीवन की आधारशिला है और इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। योग प्रशिक्षक विजय कुमार ने बताया कि केंद्र में प्रतिदिन सैकड़ों लोग योगाभ्यास करने आते हैं। उन्होंने दावा किया कि अब तक लगभग पांच हजार लोग, जो विभिन्न बीमारियों से पीड़ित थे, नियमित योग के माध्यम से स्वस्थ हुए हैं। उन्होंने सभी लोगों से योग अपनाने और निरोग जीवन जीने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नरेश प्रसाद, नंदलाल, दिलीप कुमार, अशोक कुमार, राधेश्याम, सुरेंद्र, बनीलाल, राजनंदन सिन्हा, माला देवी, पुष्पा, कल्याणी, पार्वती महतो सहित बड़ी संख्या में योग साधक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

डाक विभाग का स्कूलों में राखी बनाओ और घर पहुंचाओ अभियान शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शहर के सेक्टर 2 हेड पोस्ट ऑफिस में अरढ अनूप कुमार के नेतृत्व में सोमवार से पूरे बोकारो जिले में डाक विभाग का विशेष राखी अभियान राखी बनाओ और घर पहुंचाओ प्रारंभ करने की घोषणा की। इस अभियान के तहत डाक विभाग सभी सरकारी और निजी स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को राखियाँ बनाने का प्रशिक्षण देगा और तैयार राखियाँ सीधे घर तक भेजने की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

डाक विभाग ने खासतौर पर वाटरप्रूफ राखी एन्कवेलप (राखी एनवेलप) जारी किए हैं, जिनकी कीमत मात्र ?10 रखी गयी है। अधिकारियों के अनुसार ये एनवेलप राखियों को बारिश और नमी से सुरक्षित रखेंगे और स्पीड पोस्ट के माध्यम से सही समय पर गंतव्य तक पहुंचाने में मददगार साबित होंगे।

कलेक्शन प्वाइंटः सिटी सेंटर, सेक्टर 4 और सेक्टर 9 मार्केट।

समयः प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक।

सुविधाः अलग-अलग राखी दुकानदारों से एनवेलप के साथ स्पीड पोस्ट कलेक्शन किया जाएगा।

एएसपी अनूप कुमार ने बताया कि डाक विभाग की प्राथमिकता समयबद्ध डिलीवरी और सुरक्षित पार्सल हैं। उन्होंने कहा, हमारे डाककर्मी राखियों को उचित रूप से पैक कर निर्धारित समय में गंतव्य स्थानों तक पहुंचाने का पूरा प्रयास करेंगे। विभाग ने व्यापारियों और स्कूल प्रशासन से भी सहयोग की अपील की है ताकि अभियान सुचारू रूप से संचालित हो सके। डाकघर सूत्रों का कहना है कि यह पहल खासकर उन परिवारों के लिए सहायक होगी जहाँ रिश्तेदार दूर रहते हैं और राखी भेजने में समय-सीमा व सुरक्षा को लेकर चिंता रहती है। साथ ही स्कूलों में बच्चों को राखी बनाना सिखाने से पारंपरिक त्योहारों के प्रति उनकी भागीदारी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

नोटः राखी भेजने से पहले प्रेषक से आवश्यक पता व संपर्क विवरण सत्यापित करने की सलाह दी जाती है, ताकि डाक विभाग समय पर और सही ठिकाने पर डिलीवरी सुनिश्चित कर सके।

कल दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देगा झामुमो, रॉक गार्डन का नामकरण की मांग

जिला समिति ने कहा–गुरुजी के संघर्ष और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति, बोकारो ने 4 अगस्त को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पुण्यतिथि पर बोकारो टाउन हॉल मोड़ के समीप श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने की घोषणा की है। साथ ही जिला प्रशासन से रॉक गार्डन का नाम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर रखने तथा उनकी प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है।

जिला अध्यक्ष रतन लाल मांझी ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के लंबे संघर्ष, नेतृत्व और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप झारखंड अलग राज्य का निर्माण संभव हो सका। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने जल, जंगल, जमीन और झारखंड की अस्मिता की रक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना तथा उनके पदचिह्नों पर चलना आज की आवश्यकता है।

महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि दिशोम गुरु केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि झारखंड के गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासी और मूलवासी समाज की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन को मजबूत बनाने और अलग राज्य की लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने में गुरुजी की भूमिका ऐतिहासिक रही। उनके संघर्षों के कारण ही झारखंड को अपनी अलग पहचान मिली।

जिला सचिव मुकेश कुमार महतो ने कहा कि शिबू सोरेन ने वर्ष 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर जल, जंगल, जमीन और पहचान की लड़ाई को जनआंदोलन बनाया। उन्होंने करीब तीन दशकों तक अलग झारखंड राज्य के लिए संघर्ष किया, जिसके परिणामस्वरूप 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ। उन्होंने बताया कि शिबू सोरेन तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री, आठ बार लोकसभा सांसद तथा दो बार केंद्रीय मंत्री भी रहे। आदिवासी अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

झामुमो नेताओं ने कहा कि आज भी दिशोम गुरु का संघर्ष और बलिदान झारखंड की पहचान है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि बोकारो के रॉक गार्डन का नाम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर रखा जाए तथा उनकी स्मृति में वहां प्रतिमा स्थापित की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष और योगदान से प्रेरणा ले सकें।

इस अवसर पर केंद्रीय सदस्य संतोष रजवार, जयनारायण महतो, इकबाल अहमद, जिला उपाध्यक्ष मोहन मुर्मू, फैयाज आलम, मदन महतो, आकाश टुडू, मनोज हेम्ब्रम, कन्हैया सिंह, राकेश सिंह, आजाद अंसारी सहित बड़ी संख्या में झामुमो के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कांवरिया का जत्था चिड़का धाम के लिए रवाना

चास : प्रखण्ड नवयुवक कांवरिया संघ का जत्था नेताजी चौक कुंआ मोड से चिड़काधाम के लिए रविवार को रवाना हुआ। संघ के सरंक्षक समाजसेवी राधेश्याम सिंह ने रवाना किया। शिवभक्तों ने पुजा अर्चना कर वाहनों में दामोदर नदी तेलमोच्चो धाट गया, जहाँ पर संकल्प कर पवित्र जल लेकर पैदल चिड़काधाम जाकर जलाभिषेक करेंगे। यात्रा में प्रमुख श्रद्धालुओं में ललित कुमार सिंह ,प्रीतम सिंह, दीपक सिंह, कुंदन सिंह, अभिषेक सिंह, रितेश सिंह, अंशु सिंह, अमन सिंह, नमन सिंह, दीपक सिंह ,रवि सिंह ,कुणाल सिंह, अंकित सिंह ,रोशन सिंह, सोनू सिंह, अर्जुन सिंह, संजीत सिंह सहित दर्जनों शिवभक्तों शामिल थे।

10 अगस्त 2026 को जेल भरो आंदोलन को सफल बनाने को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा एवं मजदूरों हुई आम बैठक

बोकारो : स्टील सिटी के सेक्टर 8 काली बड़ी सभागार में संयुक्त किसान मोर्चा एवं मजदूरों यूनियन की संयुक्त बैठक , मजदुर नेता डी. सी गोहाई के अध्यक्षता में हुई सम्पन्न हुआ, जिसका किसान नेता ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन झारखंड राज्य सचिव कुमुद महतो ने किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अमेरिका – भारत मुक्त व्यापार समझौता, एमएसपी की कानूनी गारंटी व चार लेवर कोड वापस लेने को लेकर 10 अगस्त 2026 को जेल भरो आंदोलन को सफल बनाया जाएगा। व्यक्ताओं ने कहा व सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि 10 तारीख को हम गारगा पुल जमा करेंगे व वही से गिरफ्तारी देंगे, इस आन्दोलन में काफी संख्या में में किसान मजदूर भाग लेंगे। तथा 15 नवंबर 2026 को मजदूर मैदान में किसान महापंचात का आयोजन किया जाएगा, मौके पर अखिल भारतीय किसान के झारखंड उपाध्यक्ष पंचानन महतो, किसान संग्राम समिति के बोकारो जिला अध्यक्ष गयाराम शर्मा, ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के बोकारो जिला अध्यक्ष ध्युजटी घोष, अखिल भारतीय किसान सभा के दिवाकर महतो, झारखंड किसान सभा के विश्वनाथ बनर्जी, यूनियन नेता राजकुमार गोराई, रामाधार सिंह, राजू रजवार, ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के बोकारो जिला सचिव हरिपद महतो, के अलावा एमपी मंडल, संतोष गोप, रामअवतार शर्मा, बीरेंद्र झा, महेन्द्र महली, सुभाष रबि दास, राजू शाह शिवनाथ राय, राजू कुमार, पलटू उरांव, अजय कुमार, पंकज कुमार, राकेश रंजन के अलावा काफी संख्या में किसान एवं मजदूर ने भाग लिया।

जेपीएससी परीक्षा पेपर लीक की आप पार्टी ने की निष्पक्ष जांच की मांग

बोकारो : झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षा में कथित पेपर लीक एवं अन्य अनियमितताओं के आरोप राज्य के लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात है। मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच आवश्यक है ताकि निर्दोष अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा हो सके। यह मांग आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भाष्कर सुमन ने रविवार को की है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का स्पष्ट मानना है कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की विश्वसनीयता लोकतंत्र और सुशासन की आधारशिला होती है। यदि भर्ती प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें तो सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों मेहनती युवाओं का होता है, जो वर्षों की तैयारी के बाद ईमानदारी से परीक्षा देते हैं। पार्टी झारखंड सरकार से मांग करती है कि इस पूरे प्रकरण की जांच पूरी पारदर्शिता के साथ समयबद्ध तरीके से कराई जाए, दोषी चाहे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जेपीएससी की प्रासंगिकता पर कोई पहली बार प्रश्नवाचक चिन्ह नहीं लगा है । राज्य की सबसे बड़ी परीक्षा बोर्ड अगर लगातार सवालों के घेरे में हो तो छात्र मायूस हो जाते हैं। भाजपा – जेएमएम – आजसू – कांग्रेस कोई भी जेपीएससी पर सरकार को घेरने का नैतिकता तो नहीं जुटा सकती क्योंकि सभी सरकारों के कार्यकाल में जेपीएससी की निष्पक्षता धूमिल होते रही है। श्री सुमन ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, जवाबदेही, पारदर्शिता और स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। झारखंड का युवा नौकरी नहीं, बल्कि न्याय मांग रहा है। सरकार का दायित्व है कि वह युवाओं के विश्वास को बहाल करे और यह सुनिश्चित करे कि प्रतिभा का सम्मान हो, न कि भ्रष्टाचार का।

लगातार उपायुक्त के सख्त निर्देशों की हो रही है अवहेलना, शिलान्यास बोर्ड पर जरूरी विवरण गायब

गोला (रामगढ़) : गोला प्रखंड अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय, हुप्पू में नए वर्ग कक्ष निर्माण कार्य का शुभ शिलान्यास रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजू जायसवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। विधायक ममता देवी ने शिलापट्ट का अनावरण करते हुए स्पष्ट कहा कि विद्यालय निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के लिए बड़ी मुश्किल से सरकारी राशि स्वीकृत होती है, इसलिए निर्माण कार्य पूरी तरह स्वीकृत प्राक्कलन एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाए। यदि प्राक्कलन में किसी प्रकार की हेराफेरी या घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया तो संबंधित लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान शिलान्यास बोर्ड पर अनिवार्य जानकारियां अंकित नहीं होने को लेकर पत्रकारों एवं ग्रामीणों ने सवाल उठाए। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व पत्रकारों द्वारा यही मुद्दा उठाए जाने के बाद उपायुक्त ऋतुराज ने स्वयं संज्ञान लेते हुए नेमरा सहित विभिन्न योजनाओं के निरीक्षण के दौरान सभी अभियंताओं एवं संवेदकों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि प्रत्येक शिलान्यास बोर्ड पर योजना की प्राक्कलन राशि, स्वीकृत लागत, कार्य अवधि, कार्यकारी एजेंसी तथा अन्य सभी निर्धारित तकनीकी मानकों का उल्लेख अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि यदि किसी भी योजना में इन निर्देशों की अवहेलना पाई गई तो संबंधित अभियंता एवं जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद हुप्पू विद्यालय के शिलान्यास बोर्ड पर आवश्यक विवरण अंकित नहीं मिला।

एक नजर

सिमरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन गैर-जमानती वारंटी गिरफ्तार

सिमरिया : सिमरिया पुलिस ने गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रविवार को तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में बानासाड़ी निवासी फुलेंद्र राम एवं गणेश सिंह तथा शिला ओपी क्षेत्र के बोंगादाग निवासी राहुल गंझू शामिल हैं। तीनों के विरुद्ध न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी था। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि न्यायालय से निर्गत गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन के लिए थाना क्षेत्र में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में इटखोरी के रंजीत विश्वकर्मा की दर्दनाक मौत

इटखोरी : इटखोरी प्रखंड के पथरिया गांव निवासी रंजीत विश्वकर्मा की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड अंतर्गत सलाहारा-रंजीता के समीप हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रंजीत विश्वकर्मा किसी कार्य से जा रहे थे। इसी दौरान सलाहारा-रंजीता के पास उनकी सड़क दुर्घटना हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पथरिया गांव में शोक का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दे रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क दुर्घटना के कारणों की निष्पक्ष जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

पूर्वी सिंहभूम : बमार्माइंस थाना क्षेत्र के गोलचक्कर के समीप शनिवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रही दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद करते हुए बुलेट सवार को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 38 वर्षीय गणेश शंकर मिश्रा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बमार्माइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बुलेट तथा पल्सर बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और हादसे के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई। बमार्माइंस थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मामला तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आठ सूत्री मांगों को लेकर पंचायत सहायकों का आंदोलन, 5 अगस्त को रांची में मुख्यमंत्री आवास घेराव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हंटरगंज : राज्य स्तरीय पंचायत सहायक संघ के आह्वान पर आठ सूत्री मांगों के समर्थन में 5 अगस्त को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। आंदोलन की तैयारी को लेकर हंटरगंज प्रखंड के पंचायत सहायकों की बैठक रविवार को नावाडीह पंचायत सचिवालय में प्रखंड अध्यक्ष मदन कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आंदोलन को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक पंचायत सहायकों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई। प्रखंड अध्यक्ष मदन कुमार यादव ने कहा कि पंचायत सहायक लंबे समय से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, लाभुकों का डाटाबेस तैयार करने, जनजागरूकता अभियान चलाने तथा पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सुविधाएं और सम्मानजनक मानदेय नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मिलने वाली 2,500 रुपये की प्रोत्साहन राशि से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल है। पंचायत सहायकों की जिम्मेदारियां लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं की जा रही है। संघ की प्रमुख मांगों में सम्मानजनक मानदेय, पंचायत सचिव के पदों में 50 प्रतिशत आरक्षण, ग्रामसभा से वार्षिक अनुमोदन की अनिवार्यता समाप्त करना, मृत पंचायत सहायकों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति तथा स्वास्थय एवं दुर्घटना बीमा सहित आठ सूत्री मांगें शामिल हैं। पंचायत सहायकों ने सरकार से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी कि मांगों पर उचित पहल नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बैठक में देवराज यादव, सरदार करनजीत सिंह, संतोष कुमार गुप्ता, प्रवीण कुमार, अरविंद श्रीवास्तव, गुड़िया कुमारी, हेवंती कुमारी, शोभा कुमारी, ओमप्रकाश कुमार, निशु कुमारी, अंजू कुमारी सहित बड़ी संख्या में पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

नीट परीक्षा में भाई-बहन ने हासिल की सफलता, इटखोरी का बढ़ाया मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

इटखोरी : इटखोरी प्रखंड क्षेत्र के शहरजाम गांव निवासी शिक्षक करुणाकर गुप्ता के पुत्र कमल राज एवं पुत्री गुड़िया रानी ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर प्रखंड सहित पूरे चतरा जिले का नाम रोशन किया है। दोनों भाई-बहन की इस उपलब्धि से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। दोनों की सफलता की जानकारी मिलने के बाद सांसद प्रतिनिधि कृष्ण साव, पूर्व जिला महामंत्री सतीश सिंह, भाजपा नेता जगदीश यादव, सुरेंद्र सिंह, ब्रह्मदेव यादव एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुशील कुमार वर्मा उनके घर पहुंचे और कमल राज एवं गुड़िया रानी को सम्मानित कर उनकी सफलता पर बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा नेता सतीश सिंह ने कहा कि दोनों भाई-बहन ने अपनी मेहनत और लगन से इटखोरी प्रखंड के साथ पूरे चतरा जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी इसी तरह सफलता हासिल करने की शुभकामनाएं दीं।

पाण्डेयपुरा में फिजियोथेरेपी एवं होमियोपैथी क्लिनिक का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हंटरगंज : हंटरगंज प्रखंड के पाण्डेयपुरा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब फिजियोथेरेपी और होमियोपैथी उपचार के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। पुराने ज्ञानोदय विद्या मंदिर के समीप मुख्य मार्ग पर 'एस.के. फिजिओकेयर एवं होमियोपैथी क्लिनिक' का शुभारंभ भूतपूर्व शिक्षक एवं ज्ञानोदय विद्या मंदिर के संचालक देवनन्दन प्रसाद एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। क्लिनिक में आधुनिक फिजियोथेरेपी उपकरणों के माध्यम से सर्वाइकल, कमर दर्द, घुटने का दर्द, गठिया, साइटिका, लकवा एवं नस संबंधी समस्याओं का उपचार डॉ. सुलेखा कुमारी (बीपीटी) द्वारा किया जाएगा। जन्म से चलने या खड़े होने में असमर्थ बच्चों के पुनर्वास एवं उपचार की सुविधा भी यहां उपलब्ध रहेगी। वहीं होमियोपैथी विभाग में डॉ. दीपिका मेहता (बीएचएमएस) द्वारा त्वचा रोग, खुजली, कील-मुंहासे, बाल झड़ना, सफेद दाग, ल्यूकोरिया, एलर्जी, बवासीर सहित विभिन्न रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि क्लिनिक के शुरू होने से पाण्डेयपुरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार एवं विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा मिल सकेगी। क्लिनिक प्रबंधन ने लोगों से आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञ परामर्श एवं उपचार का लाभ उठाने की अपील की।

चेहल्लुम को लेकर सिमरिया में शांति समिति की बैठक, जुलूस की तैयारियों पर मंथन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमरिया : चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर रविवार को सिमरिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ शुभम नागरगोजे भाऊ साहेब ने की। मंच का संचालन सीओ गौरव कुमार राय एवं थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 5 अगस्त को सिमरिया और 6 अगस्त को डाड़ी में चेहल्लुम का पारंपरिक जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और किसी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए भारी वाहनों की नो-एंट्री का समय बढ़ाकर रात 10 बजे तक करने का निर्णय लिया गया। बैठक में हाल ही में मुहर्रम के दौरान बन्हे और फतहा के बीच हुए आपसी विवाद का मुद्दा भी उठा। विवाद के बाद बन्हे अखाड़े द्वारा चेहल्लुम का जुलूस नहीं निकालने के निर्णय पर सदस्यों ने चिंता जताई। प्रशासन एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने दोनों पक्षों के बीच मनमुटाव दूर कर आपसी भाईचारा कायम करने की जिम्मेदारी सभी अखाड़ा कमेटियों के प्रमुखों को सौंपी। एसडीपीओ एवं थाना प्रभारी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी अखाड़ा समितियों को अपने सदस्यों और तैनात किए जाने वाले वॉलंटियर्स की सूची थाने में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं सीओ गौरव कुमार राय ने कहा कि जुलूस मार्ग में बिजली, सड़क अथवा किसी अन्य प्रकार की समस्या हो तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके। सिमरिया में 5 अगस्त को फतहा, सबानो, बन्हे, लिपदा और सिमरिया टांड़ के कुल पांच अखाड़े जुलूस में शामिल होंगे। वहीं डाड़ी में 6 अगस्त को डाड़ी, मुरबे, कटिया, केवटा और खपिया के अखाड़े हिस्सा लेंगे। बैठक में प्रमुख रोहन साव, जिला परिषद सदस्य देवनन्दन साहू, दशरथ ठाकुर सहित शांति समिति के सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उसरी नदी बचाने को लेकर मानव श्रृंखला, बालमुकुंद स्पंज आयरन फैक्ट्री के खिलाफ फूटा जनआक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : बालमुकुंद स्पंज आयरन फैक्ट्री द्वारा उसरी नदी के गंगापुर क्षेत्र से पाइपलाइन के माध्यम से पानी लाने और फैक्ट्री से फैल रहे कथित प्रदूषण के विरोध में पूर्वांचल क्षेत्र में जनआंदोलन तेज हो गया है। इसी कड़ी में रविवार को गंगापुर उसरी फॉल मोड़ से शहर की ओर डांडीडीह, वनांचल कॉलेज, हरसिंगरायडीह सहित विभिन्न क्षेत्रों तक विशाल मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। आंदोलन से जुड़े लोगों का कहना है कि उसरी नदी क्षेत्र के हजारों लोगों की जीवनरेखा है। उनका आरोप है कि फैक्ट्री के लिए नदी का पानी उठाए जाने व प्रदूषण फैलने से पर्यावरण, जल स्रोत और आम लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसे लेकर पिछले कई दिनों से पूर्वांचल क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं और जनप्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में मानव श्रृंखला में शामिल होने की अपील की है। लोगों अपने संसाधनों से निर्धारित स्थल पर समय पर पहुंचे और एक-दूसरे का हाथ थामकर पर्यावरण संरक्षण, उसरी नदी बचाने और जनहित के इस अभियान को लेकर विशाल मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज किया।

उपायुक्त रवि आनंद ने हेरुआ डैम, पिक्चर टाइम थियेटर व महिला कॉलेज का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : उपायुक्त रवि आनंद ने रविवार को जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर विकास एवं आधारभूत संरचना से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने हेरुआ डैम, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के समीप निमार्णाधीन पिक्चर टाइम थियेटर, छठ तालाब के समीप स्थित महादेवी वर्मा महिला कॉलेज तथा छठ तालाब का जायजा लिया। हेरुआ डैम के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने क्षेत्र के विकास एवं सौंदर्यीकरण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने डैम परिसर में पार्क विकसित करने, सोलर लाइट लगाने, पेवर ब्लॉक बिछाने सहित अन्य सौंदर्यीकरण कार्यों को योजनाबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। वहीं, निमार्णाधीन पिक्चर टाइम थियेटर का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने को कहा, ताकि आम लोगों को जल्द ही इस सुविधा का लाभ मिल सके। इसके बाद उपायुक्त ने महादेवी वर्मा महिला कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से कॉलेज के संचालन की जानकारी ली और संस्थान के बंद रहने के कारणों एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। कॉलेज भवन की जर्जर स्थिति का भी अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने छठ तालाब का भी जायजा लिया तथा जलस्तर और तालाब की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस की कार्रवाई, गैर-जमानती वारंटी गिरफ्तार

गिद्धौर : गिद्धौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर एक वारंटी को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान सिंधवारी गांव निवासी नरेश दांगी, पिता स्वर्गीय दशरथ दांगी के रूप में हुई है। थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के आधार पर नरेश दांगी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कार्रवाई के दौरान थाना के सशस्त्र बल के जवान भी शामिल रहे।

जलमीनार से सोलर प्लेट चोरी का खुलासा दो आरोपी गिरफ्तार

चतरा : लावालौंग थाना क्षेत्र के चानी गांव स्थित जलमीनार से सोलर प्लेट चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई सोलर प्लेटें भी बरामद कर ली हैं। जानकारी के अनुसार, घटना में संलिप्त युवकों की जानकारी ग्रामीणों को मिली थी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद लावालौंग पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि 31 जुलाई को चानी स्कूल के समीप स्थित जलमीनार से सोलर प्लेट चोरी होने की लिखित शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। ग्रामीणों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने चानी गांव निवासी सुनील यादव एवं बांदू गांव निवासी श्रवण कुमार साहू को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई सोलर प्लेटें बरामद कर लीं। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सर्पदंश पर न करें झाड़-फूंक का भरोसा, तुरंत अस्पताल पहुंचें : डॉ. संजीव कुमार

कुंदा : बरसात के मौसम में बढ़ रही सर्पदंश की घटनाओं को लेकर कुंदा प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि जयराम भारती की पहल पर प्राथमिक स्वास्थय केंद्र कुंदा में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार ने आम लोगों को सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि सांप काटने के बाद सबसे जरूरी है घबराने के बजाय धैर्य रखना और पीड़ित को तत्काल अस्पताल पहुंचाना। उन्होंने लोगों से अपील की कि सांप काटने के बाद काटे गए स्थान को न तो कसकर बांधें और न ही ब्लेड से चीरें। ऐसा करने से नुकसान बढ़ सकता है और चिकित्सकों को भी उपचार के दौरान परेशानी हो सकती है। उन्होंने कहा कि सांप के काटने के बाद समय गंवाना खतरनाक हो सकता है। इसलिए झाड़-फूंक और अंधविश्वास के चक्कर में न पड़ें। पीड़ित को सीधे नजदीकी अस्पताल या स्वास्थय केंद्र ले जाना चाहिए। डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि कई मामलों में सांप जहरीला नहीं होता या शरीर में पर्याप्त विष नहीं छोड़ता। ऐसे मामलों में मरीज बिना झाड़-फूंक के भी ठीक हो सकता है, लेकिन लोग इसे झाड़-फूंक का परिणाम मानकर अंधविश्वास को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक जहरीले सांप के काटने की स्थिति में यही अंधविश्वास जानलेवा साबित हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्पदंश के तुरंत बाद स्वास्थय केंद्र पहुंचने पर सर्पदंश रोधी इंजेक्शन और आवश्यक चिकित्सा उपचार समय पर मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि जयराम भारती, कुंदा मुखिया मनोज साहू, सहिया एवं बुद्धिजीवी वर्ग के लोग उपस्थित रहे।

श्रावणी मेला पर गिरिडीह एसपी की पहल कांवरियों के लिए बनाया गया फ्री सेवा शिविर

गिरिडीह : श्रावणी मेले के दौरान देवघर जाने वाले लाखों कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गिरिडीह पुलिस ने नई पहल करते हुए कांवरिया सेवा शिविर बनाए है। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने रविवार को पपरवाटांड़ स्थित नए पुलिस लाइन गेट के समीप कांवरिया सेवा शिविर का उद्घाटन किया। इस सेवा शिविर का उद्देश्य लंबी दूरी तय कर बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर बढ़ रहे श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उनकी यात्रा अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बन सके। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सदर एसडीपीओ जितवाहन उरांव, नगर थाना प्रभारी, मुफस्सिल थाना प्रभारी, पचंबा थाना प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और कांवरियों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने कहा कि श्रावणी मेला आस्था का सबसे बड़ा पर्व है और गिरिडीह होकर बड़ी संख्या में कांवरिये देवघर जाते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस सेवा शिविर में कांवरियों के लिए नि:शुल्क शुद्ध पेयजल, बैठने और आराम करने की समुचित व्यवस्था की गई है। आवश्यकता पड़ने पर पुलिसकर्मी हर संभव सहायता के लिए भी उपलब्ध रहेंग।

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**
श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं ह्रौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रचा

एजेंसी

ताइपे : भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किया। महज 36 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अनुभवी वियतनामी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

इस शानदार जीत के साथ उन्होंने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। पिछले साल यूएस ओपन सुपर-300 में उपविजेता रहीं तन्वी ने इस बार खिताब जीतकर साबित कर दिया कि वह भारतीय बैडमिंटन की अगली बड़ी स्टार बनने की राह पर हैं। उनके खेल में लगातार आक्रामकता और निरंतरता साफ दिखाई दी।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाएआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तन्वी की उपलब्धि की सराहना करते हुए लिखा, 17 साल की उम्र... रिकॉर्ड तोड़ने वाली... चैंपियन! तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन 2026 जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे युवा चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। साथ ही वह सुपर-300+ खिताब जीतने वाली भारत की चौथी महिला एकल खिलाड़ी भी बन गई हैं।

तन्वी ने फाइनल में पहुंचने से पहले सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया था। तन्वी शर्मा की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और आने वाले वर्षों में उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

ताइपे ओपन चैंपियन तन्वी शर्मा को पीवी सिंधु ने दी बधाई, बोलीं- 'मुझे तुम पर गर्व है'

नई दिल्ली : भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय तन्वी शर्मा को बधाई दी। सिंधु ने कहा कि यह तो बस शुरूआत है और मेहनत करती रहो। मुझे तुम पर गर्व है।

तन्वी शर्मा ने रविवार को ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मुझे इस लड़की पर बेहद गर्व है। मैं कई वर्षों से कहती आ रही हूं कि तन्वी में एक बेहद खास खिलाड़ी बनने के सभी गुण हैं। प्रतिभा, शानदार शॉट्स खेलने की क्षमता और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का सामना करने का साहस, उसमें सब कुछ है।'

सिंधु ने आगे कहा कि उसे केवल थोड़ी और स्थिरता और अनुभव की जरूरत थी और यह देखकर बहुत खुशी होती है कि अब वह सब उसके खेल में दिखाई दे रहा है।

तन्वी, यह तो सिर्फ शुरूआत है। मेहनत करती रहो, खुद पर विश्वास बनाए रखो और हमेशा बेहतर बनने की भूख बनाए रखो। तुम जैसे खिलाड़ियों के साथ भारतीय बैडमिंटन का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने युवा तन्वी को बधाई और कहा कि भारतीय बैडमिंटन का भविष्य उज्ज्वल है।

प्राधिकरण ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 17 साल की उम्र। निडर। जिसे कोई रोक न सके। इतिहास अब तन्वी शर्मा के नाम है। ताइपे ओपन 2026 में शानदार जीत के साथ, तन्वी इस टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे कम उम्र की चैंपियन बन गई हैं और बीडब्ल्यूएफ सुपर 300+ टाइटल जीतने वाली चौथी भारतीय महिला एकल खिलाड़ी हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण ने आगे कहा कि एक रिकॉर्ड-तोड़ जीत, एक चैंपियन वाली सोच और बहुत खास शुरूआत। भारतीय बैडमिंटन का भविष्य पहले से कहीं ज्यादा उज्ज्वल है।

अभिषेक शर्मा ने खेली धमाकेदार पारी, लगाया दोहरा शतक

एजेंसी

नई दिल्ली : अभिषेक शर्मा ने पंजाब इंटर-डिस्ट्रिक्ट सीनियर मैच में शानदार पारी खेली। उन्होंने 15 चौकों और 25 छक्कों की मदद से 91 गेंदों पर 233 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 256.04 रहा। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अमृतसर सीनियर टीम के लिए तरनतारन के खिलाफ यह पारी खेली। उनकी यह शानदार पारी ऐसे समय में आई है जब वह इंटरनेशनल क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रहे हैं। स्कोरकार्ड और अभिषेक की बल्लेबाजी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। आईसीसी की टी20आई रैंकिंग में तीसरे नंबर के बल्लेबाज, जिन्होंने साल की शुरूआत नंबर 1 के तौर पर की थी, जिम्बाब्वे दौरे से तीन पारियों में 3.66 के औसत से सिर्फ 11 रन बनाकर लौटे। यह कोई अकेली नाकामी नहीं है। यह कई महीनों से चल रहे खराब दौर का एक और हिस्सा है। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने पांच टी20 आई मैचों में 26.2 के औसत से 131 रन बनाए। आयरलैंड के खिलाफ वह दो मैचों में 24.5 के औसत से 49 रन ही बना पाए। अपनी पिछली 10 टी20आई पारियों में उन्होंने सिर्फ एक बार 50 रन का आंकड़ा छुआ है। रन बनाने से ज्यादा चिंता की बात उनके आउट होने का तरीका है। ब्लेसिंग मुजराबानी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीनों मैचों में उन्हें आउट किया। पहली बार अभिषेक ने वाइड गेंद पर बल्ला घुमाया और डीप में आसान कैच दे बैठे। दूसरी बार उन्होंने उछलती हुई गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश की और गेंद सीधे बैकवर्ड पॉइंट पर चली गई। तीसरी बार उन्होंने एंगल के खिलाफ जगह बनाने की कोशिश की, गेंद बल्ले के किनारे से लगकर पीछे चली गई और वह सिर हिलाते हुए पवेलियन लौट गए।

ग्लासगो से लौटे भारतीय वेटलिफ्टर्स का भव्य स्वागत मीराबाई चानू बोलीं- देश के लिए पदक जीतना गर्व की बात

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल-2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाले भारतीय भारोत्तोलक (वेटलिफ्टर्स) खिलाड़ी रविवार को स्वदेश लौट आए। स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू समेत अन्य खिलाड़ियों का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। भारतीय खिलाड़ियों के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में प्रशंसक पहले से मौजूद थे। जैसे ही खिलाड़ी बाहर आए, फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली मीराबाई चानू ने मीडिया से बातचीत में कहा, मैं बहुत ज्यादा खुश हूं कि मैंने भारत के लिए पदक जीता है और मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मैं मणिपुर से हूं, इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि मैंने अपने देश के लिए कुछ करके दिखाया है। मीराबाई चानू ने महिलाओं के 48 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 190 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने की उपलब्धि भी हासिल की। महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने कहा कि देश के लिए पदक जीतना उनके लिए बेहद गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। महिलाओं के 69 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाली हरजिंदर कौर ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि देश के लिए पदक जीतकर उन्हें बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

पुरुषों के 110 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में रजत पदक जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं, लेकिन अगली प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ और कड़ी मेहनत करेंगे। पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता ऋषिकांत सिंह ने भी अपनी खुशी व्यक्त की और कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है कि देश के लिए पदक लेकर आए हैं। राष्ट्रमंडल खेल-2026 में भारोत्तोलन में भारत ने एक स्वर्ण सहित आठ पदक जीते हैं। मीराबाई चानू ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। ज्ञानेश्वरी यादव और हरजिंदर कौर ने क्रमशः महिलाओं के 53 किलोग्राम और 69 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक हासिल किए, जबकि ऋषिकांता सिंह, राजा मुथुपंडी, वल्लूरी अजय बाबू और लवप्रीत सिंह ने भी क्रमशः पुरुषों के 60 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 79 किलोग्राम और 110 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में रजत पदक जीते। बिंदियारानी देवी ने महिलाओं के 58 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।

आठ मैचों के एक्सपोजर टूर के लिए बेंगलुरु पहुंची मलेशिया अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली : मलेशिया की अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम आठ मैचों के एक्सपोजर टूर के लिए बेंगलुरु पहुंच गई है। यहां वे साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिलाफ पांच मैच और साई टीम के खिलाफ तीन मैच खेलेंगे। हॉकी इंडिया ने रविवार को जानकारी दी कि यह सीरीज आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए दोनों टीमों की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मलेशिया टीम के साथ भारतीय जूनियर पुरुष टीम 7

अगस्त, 08 अगस्त, 10 अगस्त, 12 अगस्त और 13 अगस्त खेलेगी। इसके अतिरिक्त मलेशियाई टीम 03 अगस्त, 05 अगस्त और 15 अगस्त को साई टीम से भिड़ेगी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि ये मैच एशिया कप के लिए महत्वपूर्ण तैयारी साबित होंगे। ये बेल्जियम दौरे के दौरान शुरू किए गए हमारे काम की निरंतरता का हिस्सा हैं, जहां हमने खेले गए मैचों में उल्लेखनीय प्रगति देखी। हमें उम्मीद है कि मलेशिया के खिलाफ यह सीरीज हमें बेल्जियम में किए गए प्रयासों और पिछले सप्ताह के प्रशिक्षण में किए गए सुधारों को मजबूत करते हुए उस प्रगति को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। यह एक्सपोजर टूर बेल्जियम में भारतीय जूनियर पुरुष टीम के सफल प्रशिक्षण और प्रतियोगिता चरण के बाद हो रहा है और आगामी जूनियर एशिया कप की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मैच का कार्यक्रम

मलेशिया अंडर-21 बनाम भारतीय जूनियर पुरुष टीम

07 अगस्त 2026 - दोपहर 4:00 बजे08 अगस्त 2026 - शाम 6:00 बजे10 अगस्त 2026 - सुबह 10:00 बजे12 अगस्त 2026 - दोपहर 2:00 बजे13 अगस्त 2026 - दोपहर 2:00 बजे

मलेशिया अंडर-21 बनाम एसएआई टीम

03 अगस्त 2026 - दोपहर 2:00 बजे05 अगस्त 2026 - दोपहर 4:00 बजे15 अगस्त 2026 - शाम 6:00 बजे

संक्षिप्त खबरें

डीपीएल सीजन-3: पहली जीत के लक्ष्य के साथ सोमवार को मैदान में उतरेगी पुरानी दिल्ली-6

नई दिल्ली : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-3 में अपने पहले मैच में हार झेलने के बाद पुरानी दिल्ली-6 सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्ट दिल्ली लायंस का सामना करते हुए वापसी करने की कोशिश करेगी। मैच से पहले टीम के कप्तान अनुज रावत ने कहा कि टीम जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार है। टूर्नामेंट के पहले हाई-स्कोरिंग मैच में सेंट्रल दिल्ली किंग्स से चार विकेट से हारने के बावजूद पुरानी दिल्ली 6 को कई सकारात्मक बातें सीखने को मिलीं, जिनमें सबसे खास कप्तान अनुज रावत की शानदार नाबाद शतकीय पारी थी। पहले मैच में जब टीम का स्कोर 30/3 था, तब कप्तान अनुज ने दबाव में पारी संभाली और देव लाकरा के साथ मिलकर 132 रनों की साझेदारी की, जिससे पुरानी दिल्ली 6 ने 202/4 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। हालांकि नतीजा उनके पक्ष में नहीं रहा और सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने छह विकेट पर 204 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। अब पुरानी दिल्ली 6 अपने अगले मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी और टीम पहले मैच से मिली सकारात्मक चीजों को आगे बढ़ाना चाहेगी। सोमवार के मैच से पहले टीम के कप्तान अनुज रावत ने कहा कि टीम ने जल्दी ही अपना ध्यान अगली चुनौती पर लगा लिया है और जीत की राह पर लौटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश हूं और शतक लगाना हमेशा खास होता है। बेशक, अगर टीम मैच जीत जाती तो और भी अच्छा लगता, क्योंकि आखिर में टीम की सफलता ही सबसे ज्यादा मायने रखती है। अच्छी बात यह है कि मैं अच्छी लय में हूं और इस फॉर्म को अगले मैच में भी बरकरार रखना चाहता हूं। कप्तान ने आगे कहा, ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक है और सभी का मानना है कि हमने पहले मैच में बहुत अच्छा क्रिकेट खेला। उस मैच से कई सकारात्मक बातें सीखने को मिलीं और हमने उन क्षेत्रों पर काम किया है जिनमें सुधार की गुंजाइश थी। हमारा ध्यान वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ होने वाले मैच पर पूरी तरह केंद्रित है और एक मजबूत ऑलराउंड प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हमारा लक्ष्य सीधा निडर होकर क्रिकेट खेलना और इस सीजन में अपनी पहली जीत हासिल करना है।

ग्लासगो में भारतीय बॉक्सरों की चमक, अंकुश-सचिन स्वर्ण विजेता, लवलीना को रजत

ग्लासगो : राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को अंकुश पंघाल और सचिन सिवाच ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के मुक्केबाजी अभियान को नई ऊंचाई दी, जबकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहाई ने महिला 75 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इन शानदार प्रदर्शनों की बदौलत भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया। पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अंकुश पंघाल ने मेजबान इंग्लैंड के शिट्टू डिमेजी को 4-1 के स्प्लिट फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। पहले राउंड में कुछ जजों के स्कोरकार्ड पर पिछड़ने के बावजूद अंकुश ने दूसरे और तीसरे राउंड में शानदार वापसी की। आक्रामक पंच, सटीक काउंटर अटैक और बेहतरीन रिंग कंट्रोल के दम पर उन्होंने मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया। तीन जजों ने उन्हें 29-26 से विजेता घोषित किया, जबकि अन्य दो जजों ने 28-27 का फैसला दिया, जिनमें एक अंकुश और एक इंग्लैंड के मुक्केबाज के पक्ष में था। पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत के सचिन सिवाच ने नामीबिया के ट्रायअगेन मोर्नी नदेवेलो को बेहद करीबी मुकाबले में 3-2 के स्प्लिट निर्णय से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तीनों राउंड में कांटे की टक्कर देखने को मिली। सचिन ने पूरे मुकाबले में संयम बनाए रखा और निर्णायक मौकों पर सटीक पंच लगाकर जजों को प्रभावित किया। अंत में तीन जजों ने भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया, जबकि दो जजों ने नामीबियाई खिलाड़ी को बढ़त दी। महिला 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत की स्टार मुक्केबाज और टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहाई को ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री के खिलाफ 4-1 के स्प्लिट फैसले से हार का सामना करना पड़ा। लवलीना ने पूरे मुकाबले में शानदार संघर्ष किया और कई प्रभावी पंच भी लगाए, लेकिन जजों ने ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज की आक्रामकता और रिंग नियंत्रण को अधिक प्रभावी माना। इसके बावजूद लवलीना ने रजत पदक जीतकर भारत के पदक अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शनिवार को भारतीय मुक्केबाजों ने कुल नौ पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण और दो रजत शामिल रहे। स्वर्ण पदक जीतने वालों में अंकुश पंघाल, सचिन सिवाच, अरुंधति चौधरी, प्रिया, साक्षी, प्रीति और जैस्मीन शामिल हैं, जबकि लवलीना बोरगोहाई और जादूमणि सिंह ने रजत पदक हासिल किए। इसके अलावा पुरुषों की एफ-57 शॉटपुट स्पर्धा में भारत ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया तथा जूडो में कांस्य पदक भी जीता। इन उपलब्धियों के दम पर भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। भारत के खाते में अब तक 35 पदक आ चुके हैं, जिनमें 11 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य पदक शामिल हैं। मुक्केबाजी में अभी भी कई भारतीय खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुके हैं, जिससे पदकों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद है।

बुखार के बावजूद स्वर्ण जीतने वाली मुक्केबाज अरुंधति राज्य सरकार से निराश

नई दिल्ली : राजस्थान की पहली मुक्केबाज अरुंधति चौधरी को इस बात की निराशा है कि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने कि ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बावजूद उन्हें अब तक राज्य सरकार की ओर से किसी तरह का प्रोत्साहन या शुभकामना संदेश नहीं मिला है। अरुंधति ने महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके परिवार के त्याग और अपने राज्य के लिए इतिहास रचने की प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए आने के बाद उन्हें पता चला कि वह राष्ट्रमंडल खेलों में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला मुक्केबाज हैं। इस 23 साल की मुक्केबाज ने कहा, 'मेरे लिए यह मौका था कि मैं अपने राज्य के लिए राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली पहली मुक्केबाज बनूं। इसका कोई दबाव नहीं था, बल्कि यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा थी। मैंने जो सोचा था, वह कर दिखाया। मेरे कोच और पिता ने भी कहा था कि मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन इतिहास रचने का मौका जरूर है।' अरुंधति ने कहा कि फाइनल मुकाबले में भी उन्होंने एकतरफा जीत दर्ज की, जिससे उनकी उपलब्धि और भी खास बन गई। राजस्थान में मुक्केबाजी के ढांचे पर निराशा जताते हुए उन्होंने कहा, 'राजस्थान में इस तरह के खेलों के लिए कोई खास सुविधा नहीं है। मुझे पदक जीते हुए काफी समय हो गया है, लेकिन अभी तक राज्य सरकार या खेल मंत्री की ओर से कोई शुभकामना या प्रोत्साहन नहीं मिला है।'

एक नजर

बारामूला में आतंकी सहयोगी गिरफ़्तार, हथियार और गोला-बारूद बरामद

बारामूला : जम्मू-कश्मीर के बारामूला में रविवार को सुरक्षाबलों ने ओवर ग्राउंड वर्कर' (ओजीडब्ल्यू अर्थात आतंकी सहयोगी) को दबोच लिया। उसके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। अधिकारियों ने बताया कि नरवाव के जंजफरान-गोरीवान क्रॉसिंग पर 46 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस एसओजी, 53 बटालियन सीआरपीएफ और 112 बटालियन बीएसएफ के जवानों ने संयुक्त नाका लगाया था। इस दौरान गोरीवान की तरफ से आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति ने नाका देखकर भागने की कोशिश की। सतर्क जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर सुरक्षाबलों को उसके पास से एक कैमोफ्लाज्ड एमपी-5 टाइप पिस्तौल, 10 ज़िंदा 9एमएम कारतूस वाली एक मैगजीन, एक मोबाइल फोन और एक काला बैकपैक मिला। गिरफ़्तार व्यक्ति की पहचान नंबलन शीरी के रहने वाले एजाज अहमद गनी पुत्र मोहम्मद सुल्तान गनी के तौर पर हुई है। पुलिस स्टेशन शीरी में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर नंबर 37/2026 दर्ज की गई है। उसके संपर्कों और गतिविधियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

नेपाल के कई प्रांतों में भारी बारिश का अलर्ट

काठमांडू : नेपाल जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर आज भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा ने बताया कि वर्तमान में मानसूनी ट्रफ पश्चिमी नेपाल में अपनी औसत स्थिति के आसपास तथा पूर्वी नेपाल में सामान्य स्थिति से कुछ उत्तर की ओर स्थित है। सुदूर पश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्र में आंशिक बादल छाए हुए हैं, जबकि देश के अधिकांश हिस्सों में आंशिक से सामान्य रूप से बादल छाए हुए हैं। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश पहले से ही हो रही है। दिन के समय पूरे देश में सामान्य से पूर्ण रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। पहाड़ी क्षेत्रों के कई स्थानों तथा तराई के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं, हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा या हिमपात हो सकता है। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा की भी संभावना जताई गई है। रात के समय भी मौसम का यही क्रम जारी रहने की संभावना है। देश के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। कोशी, बागमती और गण्डकी प्रदेश के हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों के साथ-साथ लुम्बिनी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमालयी जिलों में भी कहीं-कहीं मध्यम वर्षा या हिमपात का पूर्वानुमान है। विभाग ने मधेश प्रदेश के अधिकांश तराई क्षेत्रों तथा कोशी, बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी प्रदेश के तराई इलाकों में भी मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। सुदूरपश्चिम के तराई क्षेत्र के कुछ स्थानों पर भी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, कोशी, बागमती और गण्डकी प्रदेश के हिमालयी, पहाड़ी और तराई क्षेत्रों के कुछ स्थानों तथा मधेश प्रदेश और लुम्बिनी के तराई क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने की भी आशंका है।

मौसम विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़, भूस्खलन, मलबा बहाव और मिट्टी कटाव जैसी घटनाएं हो सकती हैं। साथ ही, प्रतिकूल मौसम का असर दैनिक जनजीवन, कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यटन, पर्वतारोहण तथा सड़क और हवाई यातायात पर भी पड़ सकता है।

नेपाल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की संभावना, इंडियन ऑयल ने दी कीमतों की नई सूची

एजेंसी

काठमांडू : इंडियन ऑयल कार्पोरेशन ने नेपाल आयल निगम को पेट्रोलियम पदार्थों की नई कीमतों की सूची सौंप दी है। इस बार भारत से पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में दोहरे अंक (डबल डिजिट) की बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से नेपाल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

दरअसल, भारतीय ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) प्रत्येक माह के अंतिम दिन और 15 तारीख को पेट्रोलियम पदार्थों की नई कीमतों की सूची नेपाल ऑयल निगम को सौंपता है। नई कीमतें प्राप्त होने के बाद नेपाल ऑयल निगम उसी के आधार पर घरेलू दरों में संशोधन करता है। इसी आधार पर नेपाल ऑयल निगम आमतौर पर हर महीने की 1 और 16 तारीख को पेट्रोलियम पदार्थों की नई मूल्य सूची जारी करता है। हालांकि, 1 अगस्त को नई कीमतें मिलने के बावजूद निगम ने अभी तक नई मूल्य सूची सार्वजनिक नहीं की है।

स्वचालित मूल्य निर्धारण प्रणाली के अनुसार निगम प्रबंधन को अधिकतम 2 रुपये तक कीमत बढ़ाने या घटाने का अधिकार है। यदि इससे अधिक संशोधन करना हो, तो कानूनी प्रावधान के अनुसार निगम के निदेशक मंडल (बोर्ड) की बैठक बुलाकर निर्णय लेना अनिवार्य होता है। नेपाल ऑयल निगम के प्रवक्ता मनोज कुमार ठाकुर के अनुसार इस बार आईओसी से प्राप्त नई कीमतों में बड़ा बदलाव हुआ है। इसलिए निदेशक मंडल की बैठक में निर्णय होने के बाद ही नई मूल्य सूची जारी की जाएगी। उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय के आपूर्ति सचिव निगम के निदेशक मंडल के अध्यक्ष होते हैं। वर्तमान में मंत्रालय के सचिव नारायण प्रसाद शर्मा दुवाडी इस पद पर हैं। निदेशक मंडल में उद्योग मंत्रालय के सहसचिव नेत्रप्रसाद सुवेदी, वित्त मंत्रालय के सहसचिव शंकर बहादुर केसी, गुणवत्ता एवं नापतौल विभाग की महानिदेशक कुमारी ज्योति जोशी, वाणिज्य विभाग के महानिदेशक मोतिराम सापकोटा, विशेषज्ञ सदस्य नरबहादुर ऐर, सदस्य सचिव इंजीनियर दीपक बराल तथा आमंत्रित सदस्य के रूप में आधिकारिक ट्रेड यूनियन के वीरेन्द्र बहादुर चन्द शामिल हैं।

अमेरिकी राज्य इडाहो के रेस्टोरेंट में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या, शूटर भी ढेर

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिका के पर्वतीय राज्य इडाहो के ट्विन फॉल्स शहर के मशहूर इन-एन-आउट बर्गर नामक रेस्टोरेंट में शनिवार दोपहर तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कथित बंदूकधारी भी भागते समय मारा गया। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इस रेस्टोरेंट ग्रैंड ओपनिंग एक हफ्ते पहले धूमधाम से की गई थी। समाचार चैनल सीबीएस न्यूज के स्थानीय प्रसारण केंद्र केएमवीटी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्विन फॉल्स शहर के जन संपर्क अधिकारी जोश पामर ने बताया कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पुष्टि की कि गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शूटर भागते समय मारा गया। वह पुलिस की गोली से मारा गया या उसने खुद को गोली मार ली, यह अभी साफ नहीं हो सका है। केएमवीटी के अनुसार, सोशल मीडिया में साझा किए गए वीडियो में बदहवाश लोग रेस्टोरेंट से निकलकर ब्लू लेक्स और ब्रिजव्यू चौराहे की ओर भागते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में एक व्यक्ति बंदूक पकड़े हुए ड्राइव-थ्रू में एक कार के पास आता दिख रहा है। इस वीडियो को रिकॉर्ड करने वाले एलेक्सिस एगुइलर ने कहा कि वह और उसके कुछ दोस्त बर्गर खाने के लिए इस रेस्टोरेंट पर जा रहे थे। अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद लोग रेस्टोरेंट से जान बचाकर भागते नजर आए। पुलिस का कहना है कि इडाहो राज्य की सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं। इस राज्य की सीमाएं मोंटाना, व्योमिंग, नेवादा, यूटा, ओरेगन, वाशिंगटन और कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत से मिलती हैं। ट्विन फॉल्स के पुलिस प्रमुख मैथ्यू हिक्स ने कहा कि लोग घबराएं नहीं। अब कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि शूटर ने हत्याकांड के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

दिल्ली में 5 अगस्त को 'जीआई एंड बियॉन्ड 2.0' शिखर सम्मेलन शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 5 अगस्त को 'जीआई एंड बियॉन्ड 2.0 शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्घाटन विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा करेंगे। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद (एचईपीसी) के हीरक जुबली लोगो का औपचारिक अनावरण और डिजिटल हैंडलूम एटलस "एक मंच, अनंत बाजार" का शुभारंभ किया जाएगा। विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय द्वारा हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद (एचईपीसी) के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देश के जीआई-टैग प्राप्त हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देना तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनकी पहुंच को मजबूत करना है।

इस दिन देश भर से 100 से अधिक जीआई-पंजीकृत हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए "एक मंच, अनंत बाजार" टैगलाइन के साथ एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया जाएगा। हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद (एचईपीसी) के हीरक जुबली लोगो का औपचारिक अनावरण होगा। पंजीकृत मालिकों और नए अधिकृत उपयोगकर्ताओं को जीआई प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। जीआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा, 10 से अधिक देशों के विदेशी खरीदार, देश भर के निर्यातक, प्रमुख कपड़ा ब्रांड्स, बहुराष्ट्रीय कंपनियां, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और नीति निर्माता एक साथ आएंगे। जीआई पंजीकरण और बौद्धिक संपदा अधिकार, घरेलू बाजार में जीआई उत्पादों का प्रचार-प्रसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जीआई हथकरघा उत्पादों के लाभ उठाने की रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि वस्त्र सचिव नीलम शमी राव, विकास आयुक्त (हथकरघा) डॉ. एम. बीना, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) अमृत राज और पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क नियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) प्रो. (डॉ.) उन्नत पी. पंडित सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

अनुशासनहीनता पर बसपा ने अशोक सिद्धार्थ और रणधीर सिंह बेनीवाल को पार्टी से निकाला

एजेंसी

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अनुशासनहीनता और पार्टी के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के आरोप में पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ और पार्टी के को-ऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अशोक सिद्धार्थ बसपा प्रमुख मायावती के समधी तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता आकाश आनंद के ससुर हैं। रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को पहले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान टिकट वितरण के मुद्दे पर प्रदेश नेतृत्व के साथ तालमेल नहीं बैठा पाने और अनुशासनहीनता के कारण पार्टी से निकाला गया था। बाद में इस शर्त पर उन्हें दोबारा पार्टी में शामिल किया गया कि वे भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेंगे।

मायावती के अनुसार, दोबारा जिम्मेदारी मिलने के बाद भी अशोक सिद्धार्थ अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित ढंग से नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अलावा ओडिशा और पश्चिम बंगाल से भी उनके खिलाफ पार्टी के दिशा-निर्देशों की अनदेखी और अनुशासनहीनता की शिकायतें लगातार मिलती रहीं। कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद सुधार नहीं होने पर पार्टी और आंदोलन के हित में उन्हें स्थायी रूप से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब उन्हें भविष्य में दोबारा पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा। बसपा प्रमुख ने अपने पोस्ट में बताया कि सहारनपुर निवासी एवं पार्टी के को-ऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को भी अनुशासनहीनता और पार्टी निर्देशों के उल्लंघन के आरोप में निष्कासित किया गया है। बेनीवाल के पास पंजाब के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ क्षेत्रों की संगठनात्मक जिम्मेदारी थी। उनके खिलाफ भी लगातार शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। मायावती ने बताया कि संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर किए गए फेरबदल के तहत राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को अन्य राज्यों के साथ पुनः पंजाब का प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि रामजी गौतम आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव ही नहीं, बल्कि अगले लोकसभा चुनाव तक भी यह जिम्मेदारी निभाएंगे।

असम बाढ़ : रिलायंस फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ का दिया योगदान

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को बताया कि रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने ऊपरी असम में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ का योगदान दिया है। सोशल मीडिया फेसबुक पर मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि इस संगठन ने संकट के समय में हमेशा असम के लोगों की मदद की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी राज्य ने मुश्किल समय का सामना किया है, रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी हमेशा असम के लोगों के साथ खड़ी रही हैं। डॉ. सरमा ने कोविड-19 महामारी के दौरान फाउंडेशन की मदद को याद किया, जब उसने

राज्य के लोगों को समय पर सहायता प्रदान की थी। कहा कि इस नए योगदान से ऊपरी असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए राहत और पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आर्थिक सहायता के साथ-साथ, रिलायंस फाउंडेशन की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में भोजन, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, आपातकालीन आश्रय और पशुधन के लिए सहायता प्रदान करने का काम कर रही हैं। डॉ. सरमा ने कहा कि मैं असम के लोगों के प्रति उनकी संवेदना, दया और समर्थन के लिए नीता अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

श्री 84 महादेव श्रद्धा, साधना और सनातन परंपरा के हैं जीवंत प्रतीक : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन केवल एक नगर नहीं, भूत भगवान श्री महाकाल की पावन नगरी है। यहां के 84 महादेव श्रद्धा, साधना और सनातन परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि दर्शन यात्रा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी। श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा आस्था के साथ-साथ आत्मिक जागरण का भी पुण्य अवसर भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा-2026 का शुभारंभ कर वीडियो कान्फ्रेंसिंग से श्रद्धालुओं और गणमान्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दर्शन करने जा रहे सभी यात्रियों को अपनी आत्मीय शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः का संदेश देती है। भगवान शिव समरसता, करुणा और लोककल्याण के प्रतीक हैं। भारत की आध्यात्मिक शक्ति आज पूरे विश्व को आकर्षित कर रही है। यह यात्रा हमारी पवित्र आध्यात्मिक चेतना को आगे बढ़ाने का अभियान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 84 महादेवों की परिक्रमा शिवभक्ति की

प्राचीन और पवित्र परंपरा है। यह यात्रा श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक अनुशासन का संदेश देती है। प्रत्येक मंदिर उज्जैन के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का साक्षी है। यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कम ही होते हैं। श्री 84 महादेव दर्शन यात्रा में शामिल सभी मातृशक्तियों को आयोजक संस्था द्वारा लाल चुनरी, साड़ी, रुद्राक्ष की माला, बिल्वपत्र का पौधा निःशुल्क भेंट किए जा रहे हैं। यात्रा के साथ में प्रसिद्ध भजन गायक मनीष तिवारी की भजन मंडली भी चल रही है। उन्होंने कहा कि सावन मास के पावन अवसर पर भगवान शिव के प्रति सबकी श्रद्धा प्रशंसनीय है। इस यात्रा से हमारी संस्कृति के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा मिलेगा, धार्मिक पर्यटन को बल मिलेगा और हमारी सामाजिक समरसता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्राएं केवल आस्था नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी शक्ति हैं। इससे होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार तीर्थ स्थलों पर बेहतर सुविधाएं विकसित कर रही है। हमारा लक्ष्य उज्जैन को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र बनाना है।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर शुरू, 3,886 तीर्थयात्री बालटाल रवाना

जम्मू : भारी बारिश के कारण रोकी गई अमरनाथ यात्रा मौसम में सुधार होने के बाद जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रविवार को फिलहाल बहाल कर दी गई है बारिश और मलबा आने से बंद हुए 250 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) की मरम्मत के बाद यातायात के लिए खोल दिया गया है। यात्रियों का नया जत्था कड़े सुरक्षा पहरे और एस्कॉर्ट गाड़ियों के साथ आधार शिविर से रवाना किया गया है। इस बीच यात्रियों की सुविधा के लिए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने पंजीकरण और टोकन वितरण से जुड़ी ऑफलाइन सेवाएं भगवती नगर बेस कैंप में स्थानांतरित कर दी हैं। अधिकारियों के अनुसार, 3,886 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तड़के 2:52 बजे 177 वाहनों के साथ भगवती नगर से कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 3,098 पुरुष, 673 महिलाएं, पांच बच्चे, 87 साधु, 22 साध्वियां और एक बाल साधु शामिल हैं। यह जत्था 78 बसों, 42 मीडियम मोटर वाहनों, 53 हल्के मोटर वाहनों और चार दोपहिया वाहनों के माध्यम से रवाना हुआ है। इससे पहले भूस्खलन प्रभावित हिस्सों की मरम्मत के लिए उधमपुर और बनिहाल के बीच एनएच-44 को बंद करने के बाद शनिवार को तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। मरम्मत के बाद शनिवार शाम हाइवे को फिर से खोल दिया गया। खराब मौसम व मरमत कार्य के चलते बालटाल से शुक्रवार को एक दिन के लिए यात्रा रोकी गई थी। यह यात्रा शनिवार को दोबारा शुरू हुई।

पप्पू यादव की प्रेस वार्ता में हंगामा, अनजान व्यक्ति पर चप्पल फेंकने का आरोप, समर्थकों ने की पिटाई

नई दिल्ली : निर्दलीय सांसद राजेश रंजन 'पप्पू' यादव के दिल्ली स्थित आवास पर शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर कथित तौर पर चप्पल फेंक दी। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद समर्थकों ने आरोपित को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी ने हस्तक्षेप कर उसे भीड़ से बाहर निकाला। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि प्रेस वार्ता के दौरान एक व्यक्ति पप्पू यादव से कहता है कि भगवा कपड़ा पहन कर उन्होंने भगवान राम की मूर्ति को अयोध्या से सांसद अवधेश प्रताप के पैरों में रख दी, ये बात ठीक नहीं है। इसके बाद उस शख्स ने अपनी चप्पल पप्पू यादव पर फेंक कर मारी। वीडियो में इसके बाद वहां मौजूद कार्यकर्ता चारों ओर से थप्पड़ व घूंसों से उसकी पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उसकी शर्ट भी फट जाती है। वीडियो में इस दौरान पुलिसकर्मी बीच-बचाव कर उसे भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश करता दिखाई देता है। हालांकि जब तक उसे बाहर निकाला जाता तब तक पप्पू यादव के समर्थकों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। वीडियो में पप्पू यादव भी अफरातफरी के बीच एक अन्य व्यक्ति को पकड़कर ले जाते हुए नजर आते हैं। चप्पल फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान अब तक सामने नहीं आई है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब राममंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर संसद परिसर में पप्पू यादव के विरोध प्रदर्शन को लेकर विवाद पहले से जारी है। शुक्रवार को संसद भवन के बाहर विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे को लेकर सांकेतिक प्रदर्शन किया था। पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपात्र लेकर पहुंचे थे, जबकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रतीकात्मक रूप से उसमें चंदा डाला था। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने सांकेतिक रूप से 'चोरी पकड़े जाने' का नाटक करते हुए पप्पू यादव की प्रतीकात्मक पिटाई भी की थी। इस प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। वाराणसी में पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक दास की शिकायत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं, लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली और उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। मथुरा में साधु-संतों ने राहुल गांधी और पप्पू यादव की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग उठाई थी।

कांवड़ मेले के चौथे दिन 31.50 लाख शिवभक्तों ने उठाया गंगाजल

हरिद्वार : श्रावण मास के कांवड़ मेले में शिवभक्तों की आस्था चरम पर है। मेले के चौथे दिन रविवार को 31 लाख 50 हजार से अधिक कांवड़िये हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। इसके साथ ही अब तक गंगाजल लेकर प्रस्थान करने वाले शिवभक्तों की कुल संख्या 76 लाख 85 हजार पहुंच गई है। मेला कंट्रोल रूम में स्थापित पुलिस कंट्रोल रूम से रविवार शाम प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवड़ मेले के चौथे दिन शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हरिद्वार के विभिन्न घाटों से गंगाजल भरकर अपनी यात्रा शुरू की। हरिद्वार में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के मद्देनजर कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार अपने ड्यूटी पर तैनात हैं। प्रमुख स्नान घाटों, कांवड़ मार्गों तथा संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का पालन करें, प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करें तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित कांवड़ यात्रा के संचालन में अपना सहयोग प्रदान करें।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरया पब्लिकेशनस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902